भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

# जागरूक जनता

24 जून - 30 जून 2026

jagrukjanta.net

ज्येष्ठ, पक्ष - शुक्ल, तिथि - दशमी , संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-17, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक


## आज का समाज कैसा
### 'शिक्षित' या 'आत्मघाती'? (3)

सटीक

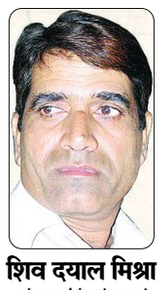

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

**वर्तमान** समाज के कुछ आत्मघाती कदमों की जानकारी हमने पिछले लेख में दी थी और उन कदमों की बात करें तो क्या यही हमारा धर्म रह गया है क्या यही समाज का भविष्य है? सच तो यह है कि संतान होना अब सिर्फ सोशल प्रूफ अर्थात सामाजिक पहचान भर रह गया है। इसमें संतान के प्रति 'स्नेह' कहीं से कहीं तक नहीं बचा है। बच्चे अब प्रेम का परिणाम नहीं, समाज को दिखाने की वस्तुभर बन चुकी है। तभी तो बच्चे को दूध पिलाने से लेकर लालन-पालन करने के लिए 'आया' को रखा जाता है। ऐसी सोच मूल्यहीन, धर्महीन और भविष्यहीन है। इसमें अगर किसी की गलती देखने की कोशिश करेंगे तो लड़की के पिता की गलती नजर आएगी। क्योंकि जिस पिता की 20-22 वर्ष की उम्र में शादी हो गई हो और वही पिता अपनी पुत्री की उम्र 30-32 वर्ष होने तक कहता हो कि अभी बच्ची है पढ़ रही है अपने पैरों पर खड़ी हो जाएगी तब शादी करेंगे, अभी कोई सही लड़का नहीं मिल रहा है, कभी दहेज का बहाना किया जाता है। कभी-कभी ऐसा भी देखने को मिलता है कि अगर लड़की नौकरी लग जाती है तो पिता को पैसों का लोभ आ जाता है। ऐसा सोचते-सोचते काफी समय निकल जाता है। वह भूल जाता है कि उसने किस उम्र में विवाह किया था और परिवार चलाते हुए संतान सुख प्राप्त किया। ऐसे में लड़की या तो चुपचाप किसी के साथ भाग जाती है या फिर वही बेटी अवसाद, आईवीएफ या तलाक में जाती नजर आने लगती है। आज हिन्दू समाज में औसत संतान एक या 0.5 प्रति दंपत्ति मात्र रह गई है। भारत में सबसे ज्यादा तलाक के केस आ रहे हैं। हर 4 में से एक दंपति को संतान होने की समस्या से गुजरना पड़ रहा है। बड़ी संख्या में लड़के-लड़कियां कुंवारे रहने को मजबूर हो रहे हैं। आज का समाज उपरोक्त बातों पर मौन है। यह धर्म नहीं, पलायन है। अगर हिन्दू धर्म और समाज को बचाना है तो 20 वर्ष तक लड़की और 22 वर्ष के लड़के का विवाह आवश्यक रूप से कर देना चाहिए। अन्यथा समाज, धर्म और देश सब खतरे में हैं।

क्रमशः

shivdayalmishra@gmail.com

**एमओयू के बाद शुरू हो जाएगा काम दिल्ली में यमुना जल परियोजना पर अहम बैठक**

# राजस्थान को जल्द मिलेगा यमुना का पानी-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**नई दिल्ली।** दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के आवास पर आज यमुना जल परियोजना के एमओए को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी शामिल हुए। बैठक के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विभिन्न राज्यों के बीच लंबे समय से लंबित जल विवादों का समाधान लगातार हो रहा है।

### "पानी विवाद पर हो रहा समाधान"

उन्होंने कहा कि राजस्थान-मध्य प्रदेश, हरियाणा-राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित कई राज्यों के जल विवादों के समाधान की दिशा में काम किया जा रहा है। जल्द इसका रास्ता निकल जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान लंबे समय से यमुना के पानी की मांग कर रहा था। आज की बैठक में परियोजना को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, और जल्द ही इस पर एमओयू किया

## समय से पहले हो सकते यूपी समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**नई दिल्ली।** समय से पहले यूपी समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में फरवरी-मार्च में विधानसभा चुनाव होने हैं। फरवरी में प्रस्तावित जनगणना के दूसरे चरण में कोई मुश्किल न आए इसे लेकर केंद्र सरकार फरवरी 2027 से पहले चुनाव पर विचार कर रही है। माना जा रहा इन राज्यों में नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक- अभी मामले पर कोई चर्चा नहीं हुई है।


ज्ञान | नेतृत्व | नवाचार | उत्कृष्टता

माधव विश्वविद्यालय

ने.हा. 27, भारजा , आबूरोड , जिला - सिरोही (राज.)

दूरदृष्टि, नेतृत्व और प्रेरणा के प्रतीक

प्रो. (डॉ.) राज कुमार को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

"आपका मार्गदर्शन हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है और सफलता की राह दिखाता है।"

संस्थान के विकास में आपका योगदान

आपके नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और समाज सेवा के क्षेत्र में अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। आपकी दूरदर्शी सोच और मार्गदर्शन से माधव यूनिवर्सिटी नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है।

हमारी कामना

ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुख-समृद्धि प्रदान करें तथा आप अपने मार्गदर्शन से हमें यूँ ही प्रेरित करते रहें।

21 जून

एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व को नमन

माधव यूनिवर्सिटी परिवार की ओर से चेयरमैन प्रो. (डॉ.) राज कुमार को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ! आपका नेतृत्व, दूरदृष्टि और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। आपके मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय निरंतर नई ऊँचाइयों को छू रहा है।

आपकी उपलब्धियाँ

- दूरदर्शी नेतृत्व से संस्थान का सर्वांगीण विकास
- शैक्षणिक उत्कृष्टता को नई पहचान
- छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित दृष्टिकोण
- नवाचार और अनुसंधान को प्रोत्साहन
- समाज और राष्ट्र निर्माण की दिशा में योगदान

Happy Birthday

WISHING YOU HEALTH, HAPPINESS

21st June

Prof.(Dr.) Raj Kumar

CHAIRMAN

माधव विश्वविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ

आपका मार्गदर्शन और आशीर्वाद हमारे लिए अमूल्य है। आपके नेतृत्व में माधव यूनिवर्सिटी भविष्य में और भी गौरवशाली उपलब्धियाँ हासिल करे, यही हमारी कामना है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in



SGT UNIVERSITY
Shree Guru Gobind Singh Tricentenary University
GURUGRAM, DELHI (NCR)

NAAC A+

79 National Rank in India — THE World University Rankings
UNDER TOP 100 in Pharmacy — nirf
98 National Rank — THE World University Rankings
24 Best Private Pharmacy Institutes in India — CAREERS 360
48 Ranked in India — Outlook
35 Ranked in India — IIRF
397 Rank in Southern Asia — QS Asian University Rankings
DIAMOND+ BAND National Ranking in Campus Wellbeing — World Institutional Ranking

NEXTGEN AI CAMPUS

NURTURING FUTURE LEADERS

YEARS OF ACADEMIC EXCELLENCE

Student-Centric University with Industry-Aligned Learning Pathways

Highest Package ₹ 42 Lakh Per Annum

ENGINEERING & TECHNOLOGY
B.Tech | M.Tech | BCA | MCA

NURSING
B.Sc | M.Sc | Certificate Course- Nursing Assistant in HealthCare

LAW
BA LLB | BBA LLB | LLB (Hons.) | LLM

HOTEL & TOURISM MGMT.
B.Sc. | M.Sc.

BASIC & APPLIED SCIENCES
B.Sc | M.Sc | MBA | PG Diploma-Environmental Sustainability and Climate Resilience

PHARMACY
Diploma in Pharmacy | B.Pharm | B.Pharm (Practice) | Pharm.D | M.Pharm

COMMERCE & MANAGEMENT
B.Com | BBA | Integrated BBA-MBA

DESIGN
B.Design | M.Design | MBA

HUMANITIES, SOCIAL SCIENCES & LIBERAL ARTS
BA | MA | Certificate Course- Polling the Elections Foundations of Psephology

AGRICULTURE
B.Sc | M.Sc | MBA | Diploma in Agricultural Extension Service for Input Dealers (DAESI)

MASS COMM
BA | MA

GLOBAL BUSINESS SCHOOL
MBA

PHYSIOTHERAPY
BPT | B.Sc | M.Sc | MPT

BEHAVIOURAL SCIENCES
B.Sc | B.Clin.Psy | BA | M.Clin.Psy | MA | M.Sc | Professional Diploma in Clinical Psychology | PG Diploma in Psychotherapy and Counselling

DENTAL SCIENCES
BDS | MDS

EDUCATION
B.Ed. | BA B.Ed. | B.Sc B.Ed. | B.Com B.Ed. | Integrated B.Ed. -M.Ed. | M.Ed.

MEDICINE & HEALTH SCIENCES
MBBS | MD | MS | MPH | M.Sc

NATUROPATHY
BNYS

ALLIED HEALTH SCIENCES
B.Sc | BASLP | B.Optom | M.Sc | M.Optom

AYURVEDA
BAMS

PhD Programs Across 19 Schools

Apply Now

Information Centres • Dwarka Office – 7042738233 • Gurgaon Office – 9205798513 • Daryaganj Office – 9205277681

Admission Office - Pocket 4, No.2, Nelson Mandela Marg, Pocket 3, Sector-C, Vasant Kunj, New Delhi -110070 | Contact No. 9205277667

www.sgtuniversity.ac.in 1800 102 5661

**जागरूक जनता**
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

## जागरूक खबरें

### परीक्षार्थियों को रोडवेज की फ्री सुविधा के लिए करना होगा ऑनलाइन पंजीकरण और सत्यापन

**जयपुर @ जागरूक जनता।** केवल ई प्रवेश पत्र दिखाने से परीक्षार्थियों को रोडवेज की फ्री सुविधा नहीं मिलेगी। अब परीक्षा से 36 घंटे पहले परीक्षार्थियों को ऑनलाइन पंजीकरण और सत्यापन करना होगा। राजस्थान रोडवेज की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रवेश पत्र अपलोड होगा। साथ ही परीक्षार्थियों का ओटीपी आधारित सत्यापन होगा। निर्धारित समय सीमा के बाद पंजीकरण की प्रक्रिया स्वत बंद होगी। प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को सत्यापन के आधार पर नि:शुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी।

### जयपुर में आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से संबंध के आरोप में महिला गिरफ्तार

**जयपुर @ जागरूक जनता।** राजस्थान की राजधानी जयपुर में पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का स्लीपर सेल होने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। राजस्थान आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के अनुसार, गिरफ्तार महिला की पहचान बबीता धाकड़ उर्फ खदीजा के रूप में हुई है जो मूल रूप से गंगापुर की रहने वाली है और वर्तमान में जयपुर में रह रही थी। एटीएस ने बबीता को रविवार को हिरासत में लिया।

### 'गृहशांति' का झांसा देकर बीस लाख रुपये की ठगी

**अलवर/जयपुर @ जागरूक जनता।** राजस्थान में खैरथल तिजारा जिले के भिवाड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोशल मीडिया पर घरेलू समस्याओं के समाधान और गृहशांति का झांसा देकर लाखों रुपये और सोने के आभूषण ठगने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी के कब्जे से ठगी की रकम में से एक लाख एक हजार रुपये बरामद किए हैं।

केन्द्रीय रेल मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने हरी झण्डी दिखा किया रवाना: मेगा कोचिंग टर्मिनल खातीपुरा एवं रेलवे स्टेशनों पर उन्नत यात्री सुविधाओं का शुभारंभ

# जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खातीपुरा रेलवे स्टेशन से जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारंभ किया तथा ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। साथ ही, मेगा कोचिंग टर्मिनल खातीपुरा एवं रेलवे स्टेशनों पर उन्नत यात्री सुविधाओं का शुभारंभ भी किया।

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेलवे सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। उन्होंने सीकर के सुंदरपुरा में रेलवे स्टेशन विकसित करने की घोषणा करते हुए कहा कि इससे खाटूश्यामजी के लाखों श्रद्धालुओं का सफर आसान होगा। उन्होंने कहा कि जयपुर में विकसित मेगा कोचिंग टर्मिनल रेलवे अवसंरचना को नई मजबूती प्रदान करेगा, यहां लगभग 450 रेलगाड़ियों का मेंटेनेंस किया जा सकेगा। इससे परिचालन दक्षता बढ़ेगी और यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। आधुनिक, सुरक्षित और विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त रेलवे नेटवर्क देश की प्रगति का मजबूत आधार बन रहा है। उन्होंने कहा कि रेलवे के विस्तार और आधुनिकीकरण से राजस्थान में व्यापार, पर्यटन, शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों को नई गति मिल रही है तथा प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध और अधिक मजबूत हो रहे हैं। शुभारंभ कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं दरभंगा सांसद गोपाल जी ठाकुर वीसी के जरिए जुड़े। मुख्यमंत्री ने जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नई रेल सेवाएं प्रदेशवासियों के सफर को अधिक सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाएंगी। उन्होंने कहा कि नई ट्रेन सेवाओं का शुभारंभ विकसित भारत और विकसित राजस्थान के संकल्प को गति देने वाला महत्वपूर्ण कदम है, जो क्षेत्रीय विकास, व्यापार, पर्यटन और रोजगार को नई दिशा प्रदान करेगा।

### रेल बजट में 15 गुना वृद्धि, राजस्थान को सौगातें

**मुख्यमंत्री** ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान को रेलवे विकास की ऐतिहासिक सौगातें मिली हैं। वर्ष 2009 से 2014 के दौरान राजस्थान को रेलवे के लिए औसतन 682 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जो वर्ष 2026-27 में 15 गुना वृद्धि के साथ 10 हजार 228 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राजस्थान में 76 हजार 800 करोड़ रुपये से अधिक लागत की रेलवे परियोजनाएं प्रगति पर हैं। प्रदेश में पांच जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएं संचालित हो रही हैं। वर्ष 2014 से अब तक लगभग 3 हजार 900 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का निर्माण किया गया है। इसके अलावा दरभंगा-अजमेर अमृत भारत एक्सप्रेस के बाद अब जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात प्रदेश को मिली है।

### फ्रेट कॉरिडोर और कार्गो टर्मिनल बन रहे आर्थिक विकास के इंजन

**उन्होंने** कहा कि वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर राजस्थान की आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। प्रदेश में 567 रूट किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर पर लगभग 14 हजार 700 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। शक्ति कार्गो टर्मिनल योजना के अंतर्गत अनेक टर्मिनल स्थापित किए जा चुके हैं तथा कई परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि आगरा-बांदीकुई दोहरीकरण, अजमेर-चित्तौड़गढ़ दोहरीकरण, पुष्कर-मेड़ता नई रेल लाइन, सवाई माधोपुर-जयपुर दोहरीकरण, लूनी-भीलड़ी दोहरीकरण, श्योपुर कलां-कोटा नई रेल लाइन, तारंगा हिल-आबू रोड नई रेल लाइन तथा मथुरा-नागदा तीसरी एवं चौथी रेल लाइन जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं विकास को नई गति दे रही हैं। उन्होंने कहा कि खातीपुरा में 205 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक मेगा कोचिंग टर्मिनल विकसित किया गया है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का निरंतर विस्तार हो रहा है। पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं तथा विश्वस्तरीय रेलवे अवसंरचना और यात्री सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। इससे आमजन को बेहतर कनेक्टिविटी, सुरक्षित यात्रा एवं आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में सांसद धनश्याम तिवाड़ी, मंजू शर्मा, विधायक कैलाश चंद वर्मा, अन्य जनप्रतिनिधिगण, रेलवे अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में यात्री मौजूद रहे।

# जयपुर में दशहरी-लंगड़ा की बंपर आवक, आम 30% तक सस्ते

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजधानी में उत्तर प्रदेश के आम की आवक शुरू हो गई है। मुहाना मंडी में रोजाना 500 से 600 टन दशहरी और लंगड़ा आम आ रहे हैं। इसमें 90 से 100 टन आम की खपत जयपुर में हो रही है, बाकी आम आसपास के कस्बों और शहरों में जा रहा है। यूपी के आम की आवक शुरू होने के साथ ही भावों में कमी आ गई है, आने वाले दिनों में आम के दाम और टूटेंगे। मुहाना मंडी के फल व्यापारियों ने बताया कि लखनऊ, फर्रुखाबाद, बरेली, कानपुर, अलीगढ़, सीतापुर और मलिहाबाद से आम की आवक हो रही है। इन दिनों दाम 30 फीसदी तक कम हो गए हैं। मुहाना में लंगड़ा और दशहरी आम थोक में 20 रुपए से 60 रुपए किलो तक बिक रहा है, जबकि बाजार में 40 से 100 रुपए किलो तक बिक रहा है। गोल्डन दशहरी आम भाव 100 से 130 रुपए किलो है, जो बाजार में 150 से 200 रुपए किलो तक बिक रहे हैं।

### आंध्रप्रदेश और गुजरात से आवक कम

आंध्रप्रदेश से सफेदा, तोतापुरी और सिंदूरी आम आ रहा है। लेकिन इनकी आवक कम हो गई है। गुजरात से केसर की आवक बहुत कम हो गई है। व्यापारियों के अनुसार, सफेदा आम की आवक 15 दिन और होगी।

**ये चल रहे दाम प्रतिकिलो** (विक्रेता संघ के अनुसार)

| आम की किस्म | मंडी भाव | बाजार भाव |
|---|---|---|
| दशहरी | ₹20 से 50 | ₹50 से 100 |
| लंगड़ा | ₹25 से 50 | ₹60 से 80 |
| केसर | ₹100 से 120 | ₹150 से 200 |
| सफेदा | ₹40 से 60 | ₹60 से 80 |
| हापुस | ₹70 से 150 | ₹120 से 180 |

### रिटेल में बिक रहे महंगे

थोक में आम के दाम कम होने के बाद भी रिटेल में डेढ़ से दो गुना तक महंगे बिक रहे हैं। लालकोठी मंडी व्यापारियों ने बताया कि थोक में कच्चा आम आता है, उसे पकाने में ही 2 से 3 दिन लग जाते हैं और अन्य खर्चा भी हो जाता है।

### कहां से कितना आ रहा है आम

- आंध्र प्रदेश से 200 टन
- महाराष्ट्र से 10 टन
- उत्तर प्रदेश से 600 टन

**अब** यूपी से आम की आवक शुरू हो गई, जिससे आम के दामों में गिरावट आ गई है। अभी रोजाना यूपी से 600 टन आम आ रहे हैं, इससे 30 फीसदी तक भाव कम हो गए हैं।

**-कैलाश फाटक,** अध्यक्ष, जयपुर फल थोक विक्रेता संघ

### भजनलाल ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया नमन

**जयपुर।** राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मंगलवार को यहां उन्हें नमन किया। शर्मा ने डॉ मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

एनआईए ने दिया जंतर-मंतर से 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' का वैश्विक संदेश

# आमजन संग 18 देशों के विद्यार्थियों ने लिया स्वस्थ और निरोगी भारत का संकल्प

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर द्वारा विश्व प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक जंतर-मंतर परिसर में आयोजित मुख्य योग कार्यक्रम में बारिश की फुहारों के बीच हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक सामूहिक योगाभ्यास किया। इस वर्ष की थीम "Yoga for Healthy Ageing" के अनुरूप आयोजित कार्यक्रम में आमजन, शिक्षाविदों, चिकित्सा विशेषज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने योग को स्वस्थ, संतुलित और निरोगी जीवन का आधार बताया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा, हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नंदकिशोर पांडे, विद्या भारती राजस्थान के प्रांत सचिव डॉ. मेघेंद्र शर्मा, ब्रह्माकुमारीज की वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक बी.के. सुषमा दीदी, संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कॉमन योग प्रोटोकॉल का सामूहिक अभ्यास कराया गया तथा योग एवं आयुर्वेद आधारित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में अध्ययनरत 18 देशों के अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों की सहभागिता रही। नेपाल, थाईलैंड, बांग्लादेश, नीदरलैंड, ब्राज़ील, अमेरिका, श्रीलंका, केन्या, तंजानिया, घाना, नाइजीरिया सहित विभिन्न देशों से आए विद्यार्थियों ने योगाभ्यास में भाग लेकर भारतीय योग एवं आयुर्वेद की वैश्विक स्वीकार्यता को प्रदर्शित किया। ऐतिहासिक जंतर-मंतर से इन विद्यार्थियों ने "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना के साथ विश्व समुदाय को स्वास्थ्य, शांति एवं समग्र कल्याण का संदेश दिया।

संस्थान के योग एवं स्वस्थवृत्त विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. दुर्गावती देवी ने बताया कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आमजन एवं रोगियों के लिए नियमित रूप से निःशुल्क योग कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। इस अवसर पर संस्थान में आयुर्वेद शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।

# राजस्थान में लागू होगा RTD मॉडल, चयन प्रशिक्षण के बाद सीधे मिलेगी नौकरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** रोजगार युवाओं के लिए रोजगार और हुनर के नए रास्ते खुलने जा रहे हैं। राजस्थान कौशल नीति 2025 के तहत 'भर्ती-प्रशिक्षण-तैनाती' (रिक्रूट-ट्रेन-डेप्लॉय आरटीडी) मॉडल को लागू करने का निर्णय लिया है। कौशल व उद्यमिता विभाग की ओर से सोमवार को आयोजित बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 50वीं बैठक में अंतिम प्रशासनिक मंजूरी दे दी गई है। इस नए मॉडल का सीधा उद्देश्य युवाओं को उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर सीधे तौर पर नौकरी से जोड़ना है, जिससे विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में कौशल की कमी को दूर किया जा सके। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार राजस्थान के युवाओं को रोजगार व कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वर्तमान बदलती अर्थव्यवस्था और नई प्रौद्योगिकियों के दौर में युवाओं को आधुनिक तकनीकों से लैस करना समय की सबसे बड़ी मांग है।

### नियमित छात्र नहीं होंगे पात्र

**इस** कार्यक्रम को पूरी तरह बेरोजगार युवाओं पर केंद्रित रखा गया है। योजना के तहत लाभ लेने के लिए आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है। स्कूलों शैक्षणिक योग्यता चयनित जॉब रोल् के लिए राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के तय मानकों के अनुसार होगी। या कॉलेजों में नियमित रूप से पढ़ाई कर रहे छात्र इस कौशल कार्यक्र म के पात्र नहीं होंगे। पाठ्यक्रम के दौरान युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए 120 घंटे का एक विशेष अनिवार्य मॉड्यूल शामिल किया गया है।

### बारिश की रफ्तार धीमी, पारा चढ़ा तो छूटे पसीने, आज 19 जिलों में येलो अलर्ट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान में प्री-मानसून की बारिश का दौर धीमा पड़ा है। आज (24 जून) को आंधी-बारिश की चेतावनी है. राज्य के 19 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। बीकानेर, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में 40 किमी की तेज हवाएं चलने के साथ बारिश की चेतावनी है। तापमान में एक बार फिर मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। श्रीगंगानगर में 42 और चित्तौड़गढ़ में 38.6 डिग्री तापमान है। जबकि न्यूनतम तापमान अलवर में 22 और चूरू में 24.2 डिग्री तक है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बारिश की संभावना जताई गई है। बीकानेर, भरतपुर, अजमेर और कोटा संभाग में तेज बारिश के आसार है। जबकि जोधपुर और उदयपुर के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। 26 जून तक ऐसा ही मौसम रहने के आसार है. हालांकि, दक्षिण राजस्थान में बारिश में कमी रहेगी।

लखनऊ अग्निकांड के बाद जयपुर में फायर सेफ्टी ने बढ़ाई चिंता

# सैकड़ों इमारतों में अलार्म-अग्निशमन यंत्र तक नहीं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**जयपुर।** लखनऊ में हुए अग्निकांड के बाद जयपुर शहर में भी फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं को लेकर चिंता बढ़ गई है। नगर निगम के हालिया सर्वे में सामने आया है कि शहर में बड़ी संख्या में व्यावसायिक और संस्थागत इमारतें बिना फायर एनओसी या अधूरी सुरक्षा व्यवस्थाओं के संचालित हो रही हैं। दरअसल, निगम के विशेष अभियान के दौरान मात्र 20 दिनों में 1,250 से अधिक इमारतें फायर एनओसी के बिना संचालित मिलीं। इनमें होटल, अस्पताल, मॉल, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं।

सैकड़ों भवनों में आपातकालीन निकास मार्ग, फायर अलार्म, अग्निशमन यंत्र और विद्युत सुरक्षा जैसी अनिवार्य व्यवस्थाओं का अभाव पाया गया। जयपुर शहर के बहुमंजिला भवनों और भीड़भाड़ वाले परिसरों में सुरक्षा मानकों की अनदेखीकिसी भी आपदा की स्थिति में गंभीर खतरा बन सकती है। निगम के विशेष सर्वे में 139 कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण किया गया, जिनमें 45 संस्थान बिना फायर एनओसी के संचालित पाए गए। नियमों की अनदेखी पर दो कोचिंग सेंटरों को सील भी किया गया।

### कोचिंग सेंटर्स में सुरक्षा इंतजाम सवालों के घेरे में

**जयपुर** शहर में गोपालपुरा, शास्त्री नगर, विद्याधर नगर, जगतपुरा, प्रताप नगर और रामगढ़ मोड़ जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं, जहां प्रतिदिन डेढ़ लाख से अधिक विद्यार्थी पहुंचते हैं। कई कोचिंग सेंटर बहुमंजिला भवनों, बेसमेंट और संकरी गलियों में संचालित हो रहे हैं। लेकिन अनेक संस्थानों में आपातकालीन निकास द्वार, फायर अलार्म, अग्निशमन यंत्र और सुरक्षित विद्युत व्यवस्था जैसे बुनियादी सुरक्षा इंतजाम तक पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में आगजनी या आपदा की स्थिति में विद्यार्थिय को सुरक्षित बाहर निकालना बड़ी चुनौती बन सकता है।

### 1250 से अधिक संस्थानों को नोटिस जारी किए

नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतमलाल ने कहा कि हमने अभियान चलाकर होटल, कोचिंग सेंटर और व्यावसायिक इमारतों का सर्वे किया है। फायर एनओसी नहीं मिलने पर 1250 से अधिक संस्थानों को नोटिस जारी किए गए हैं। दो कोचिंग सेंटर सील भी किए गए हैं। जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। बता दें कि लखनऊ के अलीगंज में सोमवार दोपहर दो मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग में भीषण आग लगने से तीन महिलाओं सहित 15 लोगों की मौत हो गई। जबकि 7 घायल है। बिल्डिंग में करीब 40 विद्यार्थी और कर्मचारी मौजूद थे।

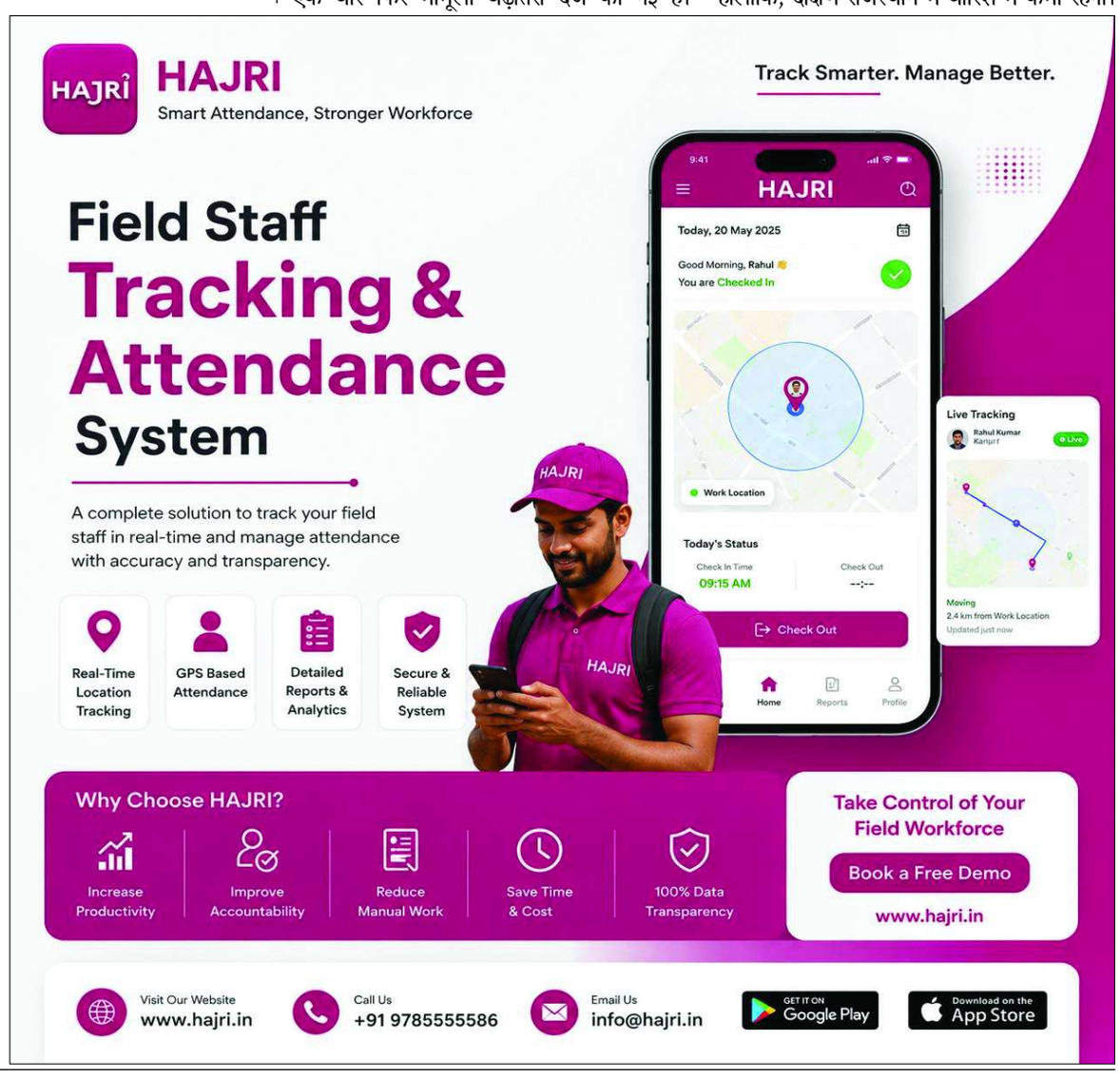

### जिला घरेलू उत्पाद अनुमान विषय पर बैठक : राज्य सरकार की नीतियों के सकारात्मक परिणाम आ रहे नजर

# विकसित भारत के संकल्प में अग्रणी भूमिका निभा रहा राजस्थान- मुख्यमंत्री शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में राजस्थान अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार जिला आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान, स्थानीय संसाधनों और आर्थिक संभावनाओं को केंद्र में रखकर विकास की नई अवधारणा विकसित की जा रही है, ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सके। बैठक में राजस्थान के प्राथमिक क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को गति देने संबंधी एवं राज्य के आर्थिक परिदृश्य तथा मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान पर आधारित प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दौरान मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं सभी संभागीय आयुक्त तथा कलक्टर्स वीसी के जरिए जुड़े।

#### प्रो. के.वी. राजू ने की राज्य सरकार की सराहना

प्रो. के.वी. राजू ने राज्य सरकार की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान अचीवर्स श्रेणी का प्रदेश है और यहां पेयजल, ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं में अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पर्यटन, कृषि, खनन और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में असीम संभावनाएं है। उच्च तकनीक आधारित डेटाबेस तैयार कर इन क्षेत्रों को जीएसडीपी में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने योजनाओं की सतत मॉनिटरिंग के साथ क्षमता संवर्धन करने एवं असंगठित क्षेत्र में सर्वे हेतु सैंपल साइज बढ़ाने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री निवास पर नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर के. वी. राजू की उपस्थिति में जिला घरेलू उत्पाद अनुमान विषय पर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की उद्योग, निवेश और सुशासन आधारित नीतियों के कारण बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित हो रहा है। प्रदेश का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी तेजी से विकसित हो रहा है तथा वर्तमान में 6 हजार से अधिक सक्रिय स्टार्टअप्स युवाओं को रोजगार और नवाचार के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार असंगठित क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण पर गंभीरता से कार्य कर रही है। इससे चूरू के हस्तशिल्प उद्योग, भरतपुर के सरसों आधारित छोटे उद्यम तथा बांसवाड़ा एवं उदयपुर के आदिवासी क्षेत्रों में निर्मित पारंपरिक जनजातीय उत्पादों जैसे असंगठित क्षेत्र में कार्यरत उद्यमों को संगठित अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनने का अवसर मिल रहा है। साथ ही, उनकी आर्थिक गतिविधियों का योगदान राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में भी परिलक्षित हो रहा है। इसके अतिरिक्त उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं वित्तीय सहायता कार्यक्र मों का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। राजस्थान में पंच गौरव के अंतर्गत जिला आधारित उपज, उत्पाद, वनस्पति, खेल व पर्यटन में नवाचार किए जा रहे हैं।

#### नियोजित विकास के लिए मास्टर प्लान

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों से लेकर गांव और वार्ड स्तर तक संतुलित एवं नियोजित विकास सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान प्रारंभ किया गया है। जिसके तहत आमजन के सुझावों और स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर वर्ष 2030, 2035 और 2047 को ध्यान में रखते हुए विकास का मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।

#### आकांक्षी उपखण्डों से वोकल फॉर लोकल विजन हो रहा साकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल विजन के अनुसार प्रदेश में भौगोलिक परिस्थितियों, सांस्कृतिक विशेषताओं, स्थानीय आवश्यकताओं एवं संभावनाओं के आधार पर आकांक्षी उपखण्डों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत प्रमुख फसल, उत्पाद एवं उत्पादन को चिन्हित कर प्रसंस्करण, भंडारण एवं विपणन की प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आकांक्षी उपखण्डों को प्रोत्साहित कर लघु, कुटीर एवं पारंपरिक उद्योगों को मजबूत आधार प्रदान किया जा रहा है, जिससे रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। आर्थिक प्रगति के सही मूल्यांकन के लिए सुदृढ़ जिला सकल उत्पाद प्रणाली का होना आवश्यक है।

### राजस्थान सरकार का बड़ा तोहफा

# पदोन्नति में 2 साल की छूट; सचिवालय में 149 नए पद स्वीकृत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** सरकार ने राज्य के लाखों सरकारी कर्मचारियों के लिए एक बहुत जरूरी और लाभकारी फैसला लिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट घोषणा 2026-27 के क्रियान्वयन के तहत पदोन्नति के नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए आवश्यक सेवा अवधि में दो साल की छूट देने का ऐलान किया है। इस निर्णय से उन कर्मचारियों को सीधा लाभ मिलेगा जो अनुभव कमी के कारण पदोन्नति से वंचित रह रहे थे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह लाभ उन कर्मचारियों को नहीं मिलेगा जिन्होंने डीपीसी वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के दौरान पहले ही ऐसी छूट प्राप्त की हो। इससे विभागीय कार्यक्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है।

#### सचिवालय में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

पदोन्नति में छूट के अलावा राज्य सरकार ने सचिवालय में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए 149 नए पदों को सृजित करने की मंजूरी दी है। इसमें सहायक शासन सचिव के 15 पद, सहायक अनुभाग अधिकारी के 67 पद और लिपिक ग्रेड प्रथम के 67 पदों को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री के इस फैसले से जहां एक ओर विभागीय कर्मचारियों को पदोन्नति के नए और बेहतर अवसर मिलेंगे वहीं दूसरी ओर राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार भी खुलेंगे। सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक कामकाज में गति लाना और कर्मचारियों के मनोबल को ऊंचा रखना है। प्रशासनिक सुधार की दिशा में यह एक दूरगामी परिणाम देने वाला निर्णय माना जा रहा है। जल्द ही इस संबंध में विभिन्न सेवा नियमों में आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

## देवली से नसीराबाद तक बनेगी फोरलेन सड़क, 1258 करोड़ होंगे खर्च; 1.45 घंटे में पूरा होगा सफर

**अजमेर @ जागरूक जनता।** राजस्थान में देवली-नसीराबाद वाया केकड़ी फोरलेन सड़क परियोजना अब जमीन पर उतरने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 11 जुलाई को इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पहले चरण का शिलान्यास करेंगे। बता दें कि देवली से नसीराबाद तक केकड़ी होते ही फोरलेन सड़क बनेगी। जिस पर कुल 1258 करोड़ रुपए खर्च होंगे। फोरलने सड़क बनने से सफर आसान होगा और समय की बचत होगी। साथ ही सड़क हादसों में भी कमी आने की संभावना है। विधायक शत्रुघ्न गौतम ने बताया कि सीएम भजनलाल शर्मा 11 जुलाई को केकड़ी दौरे पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का प्रस्तावित दौरा क्षेत्र के विकास के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। क्योंकि सीएम देवली-नसीराबाद वाया केकड़ी फोरलेन सड़क के पहले चरण का शिलान्यास करेंगे।

### सीएस ने पीएम श्री एवं मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान की समीक्षा की

# स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग में राजस्थान तीसरे नम्बर पर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शासन सचिवालय में आयोजित पीएम श्री एवं मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान (एमएसआरए) की एक समीक्षा बैठक में राज्य में शिक्षा विभाग के 11 विद्यालयों को राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त पर एसीएस, एजुकेशन राजेश यादव समेत अन्य विभागीय अधिकारियों, शिक्षकों और सभी स्टेकहोल्डर्स को बधाई दी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग 2025-26 के लिए देशभर में राजस्थान को तीसरा स्थान मिला है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2025 के तहत राजकीय विद्यालयों की कक्षा 3, 6 एवं कक्षा 9 में भाषायी एवं गणितीय ज्ञान में राज्य का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से बेहतर रहने पर भारत सरकार के सचिव ने सराहना की है। एनएएस में राजस्थान तीनों ग्रेड कैटेगरी (ग्रेड 3, 6 और 9) में टॉप 10 राज्यों में शामिल है।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली - 2026 पर नीति आयोग की 11वीं शासी बैठक में बेसिक सुविधाओं और स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर के अपग्रेडेशन, निपुण भारत मिशन के तहत फाउंडेशनल लिटरेसी और न्यूमरेसी में हुई प्रोग्रेस, और स्कूल क्वालिटी असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन फ्रेमवर्क (SQAAF) के तहत स्कूल बोर्ड को मज़बूत करने एवं गुणवत्ता की पहल पर ज़ोर दिया गया। उन्होंने स्टूडेंट्स और टीचर्स दोनों के लिए अपार आईडी की 100 प्रतिशत पहुंच पूरी करने, स्टेट ओपन स्कूल्स के तहत कवरेज बढ़ाने, और टीचर्स के लगातार प्रोफेशनल डेवलपमेंट इत्यादी निर्णय को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।साथ ही उन्होंने बताया कि नीति आयोग की भारत में स्कूल शिक्षा प्रणाली पर रिपोर्ट - 2026 में मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान को राज्य की सर्वश्रेष्ठ बेस्ट प्रैक्टिस में से एक माना है। बैठक के दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने पीएम श्री विद्यालयों से संबंधित जानकारी एवं उपलब्धियों को दर्शाने वाले लीफलेट का विमोचन किया।

## देवनानी आज प्रथम सिंधु कुम्भ में शामिल होने जायेंगे लेह-लद्दाख

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी प्रथम सिंधु कुम्भ में शामिल होने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर लेह-लद्दाख जायेंगे। जहां वे सिंधु घाट पर सिंधु नदी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश व देश की खुशहाली की कामना करेंगे। श्री देवनानी बुधवार, 24 जून को लेह-लद्दाख में आयोजित सिंधु दर्शन यात्रा कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। प्रथम सिंधु कुम्भ 22 से 27 जून तक लेह-लद्दाख में हो रहा है। सिंधु दर्शन यात्रा के 30वें वर्ष को प्रथम सिंधु कुम्भ के रूप में मनाया जा रहा है। लेह-लद्दाख में इस पांच दिवसीय कुम्भ में सांस्कृतिक, आध्यात्मिक तथा राष्ट्रीय एकता कार्यक्रमों के साथ-साथ सिंधु स्नान, बहराणा साहिब व प्रकृति का अनुपम सौन्?दर्य देखा जा सकता है।

#### देवनानी सिंधु नदी की पूजा करेंगे

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्पीकर श्री देवनानी 24 जून को प्रातः दिल्ली से वायुयान द्वारा रवाना होकर लेह पहुंचेंगे। जहां वे सिंधु घाट पर सिंधु नदी की पूजा करेंगे। लेह में आयोजित सिंधु दर्शन यात्रा कार्यक्रम में भी श्री देवनानी सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत वे सिंधु दर्शन, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों में भाग लेंगे।

### मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान समान नागरिक संहिता की ओर तेजी से अग्रसर

# नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानून होंगे लागू-पटेल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने शासन सचिवालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान तेजी से समान नागरिक संहिता (यूनिफार्म सिविल कोड) की ओर अग्रसर है। इसमें सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक कानून होंगे। राज्य सरकार ने विधेयक का प्रारूप तैयार करने हेतु उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

पटेल ने बताया कि संवैधानिक भावना को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में 14 अप्रैल, 2026 को राज्य में इस विषय पर सार्थक कार्यवाही करने का निर्णय लिया था। इसके अंतर्गत आदिवासी समुदाय के रीति-रिवाज को सुरक्षित रखा जाएगा और उन्हें संवैधानिक सुरक्षा मिलेगी। इससे प्रदेश को नई दशा और दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि संविधान के भाग 4 में वर्णित राज्य की नीति के निर्देशक तत्वों के अंतर्गत अनुच्छेद 44 के प्रावधानों के मद्देनजर राज्य सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। अनुच्छेद 44 में उल्लेख है कि राज्य, भारत के समस्त राज्य क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता (niform Civil Code-UCC) प्राप्त कराने का प्रयास करेगा। बेढम ने बताया कि 'राजस्थान समान नागरिक संहिता, 2026' (The Rajasthan Uniform Civil Code, 2026) के विधेयक का प्रारूप तैयार करने हेतु उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति श्रीमती रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। समिति के अन्य सदस्य सेवानिवृत्त आई.ए.एस. शत्रुघ्न सिंह, राजस्थान उच्च न्यायालय के अतिरिक्त महाधिवक्ता बसंत सिंह छाबा, राजकीय विधि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर के सेवानिवृत्त प्राचार्य रामस्वरूप अग्रवाल और डॉ. शुचि चौहान बनाये गये हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को समिति का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है।

# हार के डर से निकाय-पंचायत चुनाव टाल रही सरकार, इतिहास किसी को माफ नहीं करेगा-गहलोत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार द्वारा पंचायती राज और स्थानीय निकाय चुनाव समय पर न कराए जाने पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने जालोर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि संविधान के दायरे में रहकर समय पर चुनाव कराना बेहद आवश्यक है, लेकिन मौजूदा सरकार हार के डर से भाग रही है। इस कदम की पूरे प्रदेशवासियों को एक सुर में निंदा करनी चाहिए। जब सरकार संविधान की मर्यादा को ही नहीं मानती, तो उसे सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। यह सरकार नैतिक रूप से बर्खास्त करने लायक है। गहलोत ने कहा कि कायदे से तो राज्यपाल को राष्ट्रपति के पास मौजूदा सरकार को तुरंत बर्खास्त करने की सिफारिश भेजनी चाहिए, लेकिन आज देश के हालात बहुत गंभीर हैं और डबल इंजन के नारे के आड़ में लोकतंत्र सीधे खतरे में है।

#### '1998 में हड़ताल थी, फिर भी हमने कराया चुनाव'

अशोक गहलोत ने कहा कि साल 1998 में जब मैं मुख्यमंत्री था, तब कर्मचारियों की हड़ताल हो गई थी। कर्मचारियों की हड़ताल के बीच चुनाव कराना मुश्किल था, इसलिए मैंने भी कोशिश की थी कि चुनाव कुछ समय के लिए टल जाएं। लेकिन हाई कोर्ट का स्पष्ट आदेश आया कि चाहे जैसे भी हो, चुनाव करवाने ही पड़ेंगे। हमने न्यायपालिका के आदेश का सम्मान किया और अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों के सहयोग से चुनाव संपन्न करवाए और हम चुनाव जीत भी गए। उन्होंने आरोप लगाया कि आज की सरकार को यह चिंता सता रही है कि वे नगर निकायों और पंचायतों के चुनावों में पूरी तरह साफ हो जाएंगे।

#### राजनीति में आगे आएं युवा

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने बंगाल और बिहार में देखा है कि वहां क्या-क्या नहीं हुआ। देश बेहद नाजुक दौर से गुजर रहा है। अगर लोकतंत्र ही नहीं बचेगा, तो हमारी वर्तमान और आने वाली युवा पीढ़ी का क्या होगा? इतिहास किसी को माफ नहीं करेगा। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि छात्रों और नौजवानों को राजनीति में आना चाहिए। वे सभी राजनीतिक दलों की विचारधारा को समझें और अपनी हिस्सेदारी बढ़ाएं, वरना यह देश बर्बादी की कगार पर चला जाएगा।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS
BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY
WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click
START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST
Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management
MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System
Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...
Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner AdWords Analytics Marketing Partner Accredited Professional Bing ads
DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE
INDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

## सम्पादकीय

# ईंधन की कीमतें दबाने से सरकारों पर बढ़ेगा बोझ

इस दौर में विकसित अर्थव्यवस्थाओं ने पेट्रोलियम उत्पादों की सभी मूल्य वृद्धि को सही रूप से उपभोक्ताओं तक पहुंचा दिया। इससे मूल्य प्रणाली काम कर सकी। उपभोक्ताओं और कंपनियों को ऊर्जा की वास्तविक लागत का सामना करना पड़ा। इसका परिणाम मांग में कमी और ऊर्जा दक्षता में वृद्धि के रूप में हुआ। लेकिन उन्नत अर्थव्यवस्थाएं व्यापक आर्थिक नीति के एक उलझे हुए वैचारिक ढांचे में काम कर रही थीं। नीति निर्माताओं ने विनिमय दरों को नियंत्रित करने की कोशिश की। मौद्रिक नीति उस समय मूल रूप से मुद्रास्फीति लक्ष्य के इर्द-गिर्द संगठित नहीं थी। केंद्रीय बैंकों ने लोगों के प्रति उदार बनने की कोशिश की और आपूर्ति झटके को नरम मौद्रिक नीति से समायोजित किया। यह तरीका कारगर नहीं रहा। 1970 का दशक विकसित बाजारों में आर्थिक वृद्धि के लिए खराब साबित हुआ केवल तेल की कीमतों में उछाल के कारण नहीं बल्कि इसलिए भी कि व्यापक आर्थिक नीति विफल रही।

आधुनिक व्यापक आर्थिक ज्ञान वास्तव में इन्हीं कठिन अनुभवों से बना। लचीली विनिमय दरें, स्वतंत्र केंद्रीय बैंक और मुद्रास्फीति लक्ष्य जैसी वैचारिक प्रगति उन वैकल्पिक विचारों की विफलता से जन्मी जो तेल संकट का सामना करने में असफल रहे। वर्ष 1984 से 2007 तक अच्छे व्यापक आर्थिक परिणामों का दौर इन्हीं वैचारिक प्रगतियों से संभव हुआ। इस संस्थागत सीख के कारण, 2026 का तेल संकट विकसित बाजारों को अपेक्षाकृत हल्के रूप में प्रभावित करेगा। झटका बड़ा है, लेकिन उनकी व्यापक आर्थिक नीति की मशीनरी 1970 के दशक की परिस्थितियों की तुलना में कहीं बेहतर तैयार है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के पास अब अपने मुद्रास्फीति लक्ष्यों के इर्द-गिर्द संस्थागत विश्वसनीयता है। उनके पास लचीली विनिमय दरें हैं जो बाहरी झटकों को बर्दाश्त कर लेती हैं। उनके लिए पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि आम तौर पर उपभोक्ताओं तक पहुंचती है।

जब अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो उपभोक्ता ऊंची ऊर्जा कीमतें देखते हैं जिससे आवश्यक सूक्ष्म आर्थिक समायोजन शुरू होता है। तेल आयातकों के लिए विनिमय दर अवमूल्यित होती है ताकि बाहरी प्रतिस्पर्धा बहाल हो सके। केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं को स्थिर करने के लिए ब्याज दरें बढ़ाता है। व्यापक आर्थिक नीति ऊंची ऊर्जा कीमतों के दर्द को नहीं कम कर सकती है। केवल सूक्ष्म अर्थव्यवस्था ही इन परिवर्तनों का उत्तर अपने व्यवहार में बदलाव करके देती है। व्यापक नीति स्थिरता की स्थिति बनाकर अवश्य मदद कर सकती है। इस वातावरण में उभरते बाजारों का क्या? अब उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 43 फीसदी हिस्सा हैं। इसलिए उभरते बाजारों में जो होता है उसका विश्व अर्थव्यवस्था पर बहुत गहरा असर पड़ता है। उभरते बाजारों की संस्थागत गुणवत्ता 1990 के दशक के अंत में पूर्वी एशियाई संकट के समय की समस्याओं की तुलना में अब बेहतर है। विनिमय दरें कुछ हद तक अधिक लचीली हो गई हैं। केंद्रीय बैंकों को सामान्यतः मुद्रास्फीति लक्ष्य का औपचारिक विधायी उद्देश्य मिला है लेकिन वास्तविकता अलग है। सरकारी एजेंसियों का वास्तविक संचालन उनके कानूनी ढांचे से भिन्न होता है। वर्ष 2026 के तेल संकट का सामना करते समय उभरते बाजार तीन तरह की नीतिगत सीमाओं से जूझते हैं।

**माता-पिता के प्यार भरे स्पर्श का कोई मुकाबला नहीं। जो बच्चे जन्म के तुरंत बाद मां के दिल के पास सोते हैं, वे बड़े होकर भावनात्मक रूप से बेहद मजबूत होते हैं। इसी तरह कहा जाता है कि बच्चों को कम से कम तीन साल की उम्र तक अपनी मां के पास सोना चाहिए। यह सच भी है।**

# नई बुनियाद बचपन की

क्षमा शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

**ज्ञान की सीमा बच्चों और बड़ों के लिए अलग-अलग होती है। जो ठीक भी है। बच्चों को बड़ों का ज्ञान देकर हमें उनकी मासूमियत नहीं छीननी चाहिए। जो कुछ उम्र के जिस पड़ाव पर जानना चाहिए वह उसी पड़ाव पर पता चलना चाहिए, वह ठीक भी है। वरना ऐसी खबरें आती ही हैं कि बच्चे इन दिनों बड़ी संख्या में पोर्न देखते हैं। वे सबसे अधिक फेसबुक यूजर्स हैं। इनमें से कोई भी बात बच्चे के विकास में नकारात्मक भूमिका ही निभा सकती है।**

बदलते समय, तकनीकी विस्तार, छोटे होते परिवार, माता-पिता की बढ़ती व्यस्तताएं, समाज के सिकुड़ते दायरे, पढ़ाई-लिखाई के बदलते स्वरूप आदि का प्रभाव बच्चों पर भी पड़ रहा है। बच्चों की मासूमियत छिन रही है। वे बहुत जल्दी बड़ों की दुनिया में दाखिल हो जा रहे या फिर उससे अलग हो जाते हैं। बच्चों में आ रहे कई बदलाव गंभीर चिंता भी पैदा करते हैं। पर बच्चों को लेकर जैसी नीतियां और व्यवस्थाएं होनी चाहिए, उनका भी अभाव है। मध्यवर्ग के किसी बच्चे की दिनचर्या पर आपने कभी नजर डाली है। हर बच्चा सवेरे उठता होगा। जल्दी-जल्दी नहा कर, नाश्ता करके स्कूल की तरफ दौड़ता होगा। वहां पढ़ाई-लिखाई, खेल-कूद के बाद दोपहर को घर लौटता होगा। घर में हाथ-मुंह धोकर, कपड़े बदल कर खाना खाता होगा। होमवर्क निपटाता होगा। हो सकता है, थोड़ा-बहुत टीवी देखता हो या नेट सर्च करता हो। होम वर्क निपटाने के बाद वह ट्यूशन पढ़ने जाता होगा। शाम को कुछ समय बचा तो दोस्तों के साथ खेलता होगा वरना तो ट्यूशन या कोचिंग सेंटर में ही रात हो जाती होगी। इन बच्चों की इतनी व्यस्त दिनचर्या देख कर इन पर तरस आता है। यह ऐसा समय है जब बड़ों से लेकर बच्चे तक समय न होने की बात करते हैं। आखिर हमारा समय कहां गया। अगर बच्चे दुधमुंहेपन से ही इतने व्यस्त हो जाएंगे, तो बड़े होकर उनका क्या होगा।

जब कभी माता-पिता के पास समय होता है, तो वे इन्हें घुमाने, फिल्म दिखाने, किसी के जन्मदिन पर, किसी त्योहार-वार की खरीदारी, किसी रिश्तेदार के यहां उत्सव पर ले जाते हैं। मगर ज्यों ज्यों बच्चे बड़े होते हैं वे अपने दोस्तों के साथ रहना चाहते हैं। बड़ों और माता-पिता की संगत में बोर होते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि घर वालों को बच्चों की इसी संगत पर विशेष ध्यान देना चाहिए। क्योंकि अपने आसपास के बच्चों को देखकर ही बच्चे बहुत-सी बातें सीखते हैं। एक प्रतियोगिता की भावना भी होती है। सबसे पहले तो यह प्रतियोगिता यहां से शुरू होती है कि जब तुम्हारे दोस्त या तुम्हारी कोई सहेली सौ में से सौ नंबर ला सकती है, तो तुम क्यों नहीं। माता-पिता घर वाले और अध्यापक इस तरह की तुलना अकसर करते हैं। उनका उद्देश्य बच्चे को और अच्छा बनने और पढ़ने-लिखने के लिए प्रेरित करने का होता है, मगर अगर आपसी प्रतियोगिता शुरू हो जाए तो वह वहीं नहीं रुकती, जहां माता-पिता चाहते हैं। इसीलिए कई बार माता-पिता की आशाओं पर खरा न उतरने पर बच्चे अपनी जान तक दे देते हैं। हाल ही में एक बच्ची ने सिर्फ इसलिए जान दे दी क्योंकि उसका भाई उसे टीवी का रिमोट नहीं दे रहा था। बच्चों पर अच्छा कर दिखाने, तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने का इतना दबाव होता है कि वे कई बार इस तनाव को नहीं झेल पाते। परीक्षा के दिनों में बच्चों का तनाव दूर करने के लिए हेल्पलाइनें होती हैं। तरह-तरह के विशेषज्ञ सलाह के लिए होते हैं, मगर तनाव दूर नहीं होता। यही कारण है कि सोचा जा रहा है कि बच्चों को खुशी देने के लिए हैप्पीनैस पाठ्यक्रम अलग से बनाए जाएं।

दिल्ली के स्कूलों में ऐसा पाठ्यक्रम शुरू भी किया गया है। मध्यप्रदेश में हैप्पीनैस मंत्रालय बनाया गया है। लोग ऐसी कक्षाएं चलाने के बारे में सोच रहे हैं, जहां बच्चों और बड़ों को खुश रहने के तरीके सिखाए जा सकें। ऐसा क्या हुआ कि पास में सब कुछ है, महंगी से महंगी उपभोक्ता वस्तुएं हैं, चीजें खरीदने के लिए खूब पैसे हैं, पर खुशी नहीं है। जिनके पास कोई सुविधा नहीं, जो गरीब बच्चे हैं, किताब-कॉपी खरीदने और स्कूलों में मास्टरों के लिए तरसते हैं, वे क्या करें।

पहले कहा जाता था कि खुशी हमेशा अपने अंदर से आती है, लेकिन अब इसे बाहर से ढूंढ़ना पड़ रहा है। घर खुशी पाने की जगह क्यों नहीं रहे। मित्रों के साथ खेलना-कूदना, गप्पें लड़ाना, यहां तक कि लड़ना-झगड़ना, बहस करना, घूमना बच्चों को खुशी क्यों नहीं दे रहा। जिन उपभोक्ता वस्तुओं के बारे में रात-दिन शोर मचा रहता है कि यह खरीदो, वह खरीदो, फिर देखो कि तुम्हारी झोली खुशियों से किस तरह भरती है, वे सब चीजें माता-पिता अपने बच्चों को उपलब्ध भी कराते हैं। बल्कि सोच यह रहती है कि बचपन में जो मुश्किलें, अभाव माता-पिता ने झेले वे उनके बच्चों को न झेलने पड़ें। बच्चों के हाथ में छुटपन से ही उनन्त तकनीक के उपकरण, जैसे कि मोबाइल टेबलेट पकड़ा दिए जाते हैं। अधिकतर माता-पिता बच्चों को इस तरह से व्यस्त करके सोचते हैं कि इससे वे बच्चों के तमाम तरीके के सवालों और जिज्ञासाओं से बचेंगे। पर वे यह भूल जाते हैं कि बच्चा शायद इन चीजों को पाकर खुश हो जाए, मगर माता-पिता से अपने मन की बात कहना, उसका समाधान पाना, यह विश्वास कि वह अपने माता-पिता को कोई भी बात, समस्या बता सकता है और उसका हल पा सकता है, यह विश्वास अगर बच्चे के मन में हो, यो यह न केवल उसका आत्मविश्वास बढ़ाता है, बल्कि बहुत-सी चुनौतियों से जूझने की क्षमता भी देता है। बच्चे की मानसिक ताकत के लिए जरूरी है कि वह अपने माता-पिता का विश्वास जीत सके और माता-पिता भी उसके विश्वास पात्र बन सकें। इसके लिए बच्चे को नहीं, माता-पिता को पहल करनी पड़ती है। उन्हीं को भरोसा दिलाना पड़ता है कि वे बच्चे के लिए हर समय मौजूद हैं।

सर्वेक्षण बताते हैं कि आज माता-पिता और बच्चे के बीच समय के अभाव के कारण भावनात्मक रिश्ते टूटते जा रहे हैं। तकनीक ने भी इसमें बड़ी भूमिका निभाई है। पिछले दिनों ब्लू वेल के चंगुल से एक बच्चे को बचाया गया था, तो उसने कहा था कि उसके माता-पिता के पास उसके लिए समय ही नहीं है। वे दिन भर दफ्तर में रहते हैं और लौट कर अपने-अपने मोबाइल या लैपटाप में व्यस्त हो जाते हैं। बहुत साल पहले मुंबई के एक प्रसिद्ध स्कूल के बारे में छपा था कि वहां जुड़वां भाई पढ़ते हैं। छुट्टियों में भी, बड़े-बड़े पदों पर काम करने वाले उनके माता-पिता उन दोनों को साथ नहीं ले जाना चाहते। वे कहते हैं कि दो बच्चों को एक साथ नहीं संभाल सकते। स्कूल का कहना था कि बहुत से माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चों को छुट्टियों के दौरान भी स्कूल में रखने की व्यवस्था की जानी चाहिए। मध्यवर्ग और उच्च मध्यवर्ग के बच्चों का यह डरावना सच है। तकनीक ने जहां बच्चों की राह आसान बनाने की कोशिश की है, वहीं वे भावनात्मक रूप से कमजोर होते गए हैं।

# अध्यापक का ध्येय केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

देश और दुनिया को दोष मुक्त बनाने के लिए तीन व्यक्ति अपनी अहम भूमिका दर्ज कर सकते हैं।वो तीन व्यक्ति हैं- माता, पिता और शिक्षक। माता पिता तो घर संसार में बच्चे को संस्कार प्रदान करते हैं, जब कि घर से बाहर जगत के लिए उपयोगी और हुनर में दक्ष बनाने में शिक्षक का अद्वितीय योगदान होता है।

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

किताबों में अतीत के पृष्ठ पलटें तो किसी भी खास पेशे की ऊंचाई और विशेषज्ञता के उदाहरण हमें देखने को मिल जाएंगे। स्वाधीनता सेनानी और शिक्षक गणेश शंकर विद्यार्थी का नाम भी ऐसे ही मिसाल पेश करता है।

बात उस ज़माने की है जब जीविकोपार्जन के लिए वे अध्यापन किया करते थे। उन्हीं दिनों देश भक्ति जगाने हेतु राष्ट्रीय विचारों पर आधारित "कर्मयोगी" अखबार निकला ही था कि गणेश शंकर विद्यार्थी इसके ग्राहक हो गए। अंग्रेज सरकार के रहते ये अखबार हालांकि प्रतिबंधित था, फिर भी उन्होंने इसे लगा लिया।

एक रोज़ स्कूल के प्रधानाध्यापक जी को इस बात की भनक लगी तो उन्होंने अखबार बन्द करने की हिदायत दे डाली। लेकिन विद्यार्थी जी थे कि माने नहीं। वो एक निर्भीक शिक्षक थे। उन्होंने कहा, अच्छे मकसद के लिए क्यों डरना? उन्होंने प्रधानाध्यापक जी से कहा, अध्यापक का काम केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं होता। उन पर बच्चों का जीवन संवारने की पूरी जिम्मेदारी होती है। बच्चों में देश और समाज को देखने समझने का विवेक जगाना भी उसका ध्येय होता है। यदि कुछ गलत हो रहा है तो उसे सुधारने की पहल भी सिखाना होता है। यही वजह है कि मैं कर्मयोगी पढ़ता हूँ ताकि देश की हलचल से छात्रों को अवगत करा सकूं। उनका यथोचित मार्गदर्शन कर सकूं।

सही चिन्तन और उनकी स्पष्टवादिता से प्रभावित होकर वे भी उनके सार्थक प्रयत्नों के समर्थन में खड़े हो गए।

# मानवीय मूल्य पतन की 'अंतिम पराकाष्ठा' महिलाएं

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**दिल्ली पुलिस ने शिशुओं की तस्करी करने वाले रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह रैकेट राजस्थान-गुजरात सहित देश के सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में जरूरत की मारी महिलाओं को अपना बच्चा बेचने के लिए प्रोत्साहित करता था तो निःसंतान दंपतियों को बच्चा खरीदने के लिए भी। पूरी प्रक्रिया में महिला डॉक्टर ऐसे निःसंतान दंपतियों को असली माता-पिता साबित करने के उद्देश्य से अपने 'हीरा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल' का इस तरह इस्तेमाल कर रही थी कि सारे कागजी सबूत खरीदे गए शिशुओं को वैध साबित कर सके और बांझ महिलाओं को सामाजिक तानों से भी बचा सके।**

सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियां किस तरह मूल्यों को तहस-नहस करके किसी व्यक्ति को पतन की ओर ले जाती हैं और कैसे किसी एक की बदहाली किसी अन्य के लिए अवैध कमाई का 'मौका' बन जाती है, इसे समझने के लिए दिल्ली के रोहिणी स्थित एक अस्पताल की करतूत को देखा जा सकता है। दिल्ली पुलिस ने शिशुओं की तस्करी करने वाले रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह रैकेट राजस्थान-गुजरात सहित देश के सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में जरूरत की मारी महिलाओं को अपना बच्चा बेचने के लिए प्रोत्साहित करता था तो निःसंतान दंपतियों को बच्चा खरीदने के लिए भी। पूरी प्रक्रिया में महिला डॉक्टर ऐसे निःसंतान दंपतियों को असली माता-पिता साबित करने के उद्देश्य से अपने 'हीरा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल' का इस तरह इस्तेमाल कर रही थी कि सारे कागजी सबूत खरीदे गए शिशुओं को वैध साबित कर सके और बांझ महिलाओं को सामाजिक तानों से भी बचा सके। देखने वाली बात तो यह भी है कि कैसे आम नागरिक की थोड़ी-सी सजगता अपराध के संगठित नेटवर्क को नेस्तनाबूद कर सकती है।

प्रतिभा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

पहाडगंज रेलवे स्टेशन क्षेत्र में एक आम नागरिक ने एक महिला को एक शिशु के साथ जाते देखा था और दो सप्ताह के बाद उसी को किसी दूसरे शिशु के साथ जाते देखा तो संदेह हुआ और उसने पुलिस को सतर्क कर दिया। पुलिस ने महज 15 दिन बाद बड़े रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया। तेरह लोगों को गिरफ्तार कर पांच शिशुओं को बचा लिया गया। आशंका है कि अब तक 30 शिशुओं की तस्करी हो चुकी है। जांच में सामने आया कि रैकेट से जुड़े लोग संतान के लिए तरस रहे जोड़ों की पहचान के लिए आइवीएफ केंद्रों और फर्टिलिटी क्लीनिकों पर नजर रखते थे। इन जोड़ों को शिशुओं की पेशकश के साथ-साथ धोखाधड़ी का तरीका भी सिखाते थे। ऐसी महिलाएं अपने नाते-रिश्तेदारों के सामने गर्भवती होने का नाटक करती थीं और अस्पताल में उनकी औपचारिक फाइल खुल जाती थी। सारे कागजी सबूत असली की तरह तैयार किए जाते और समय आने पर तस्करी से लाए गए शिशु उन्हें सौप दिए जाते।

इस पूरे प्रकरण में दो अलग-अलग सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि में निवास करने वाली महिलाओं की त्रासदी को संवेदनशील नजरिए से देखने की जरूरत है। एक तरफ पढ़ी-लिखी संभ्रांत और धनी परिवार की महिलाएं हैं जिन्हें कथित बांझपन के उलाहने से इतना डर लगता है कि इससे मुक्ति के लिए उन्हें आपराधिक षड्यंत्र में शामिल होना भी मंजूर है। दूसरी तरफ, गरीब और अनपढ़ आदिवासी महिलाएं हैं जिन्हें अपने कलेजे के टुकड़े को किसी और के हवाले करने से भी परहेज नहीं है। अपने गर्भ में पल रहे 'अजन्मे' की बोली लगाने के उनके निर्णय में कहीं न कहीं बच्चे का भविष्य सुरक्षित रखने की 'ममता' भी शामिल है। यह कहने से गुरेज नहीं करना चाहिए कि दोनों ही पृष्ठभूमि की महिलाएं मानवीय मूल्यों के पतन का 'आसान शिकार' हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

## संस्मरण : यूरोप यात्रा-3

# पेरिस : इतिहास, संस्कृति और सौंदर्य का अद्भुत संगम

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

यूरोप यात्रा की इस तीसरी कड़ी में आइए चलते हैं 'सिटी ऑफ़ लाइट', 'सिटी ऑफ़ लव' और 'फैशन हब' के नाम से मशहूर फ्रांस की राजधानी पेरिस की सैर पर। दुनिया भर में पेरिस अपने बेहतरीन नगर नियोजन के लिए जाना जाता है। 'सिटी ऑफ़ लाइट' कहा जाने वाला पेरिस दुनिया का पहला ऐसा शहर है, जहाँ स्ट्रीट लाइट्स की शुरुआत हुई थी। यह सदियों से वैश्विक ज्ञान-विज्ञान का केंद्र रहा है और दिलचस्प बात यह है कि इस खूबसूरत शहर को रोमांस के लिए सबसे मुफीद माना जाता है। इसके अलावा लुई वुइटन, शनेल, डायोर और बालमेन जैसे दुनिया के कई प्रसिद्ध लग्जरी फैशन ब्रांड्स की शुरुआत भी यहीं से हुई थी।

मंजू माहेश्वरी
पत्रकार
@jagrukjanta.net

### हॉसमन का विज़न और अद्भुत टाउन प्लानिंग

पेरिस की टाउन प्लानिंग देखकर हर कोई दंग रह जाता है। इतने सदियों पहले ऐसा दूरदर्शी नगर नियोजन वाकई बेमिसाल है। सीन नदी के किनारे बसा यह शहर प्राचीन काल में 'लुटेतिया' के नाम से जाना जाता था। 19वीं सदी के मध्य में सम्राट नेपोलियन तृतीय और वास्तुकार जॉर्ज-यूजेन हॉसमन ने फ्रांसीसी राजधानी का पूरी तरह से कायाकल्प कर दिया। उन्होंने पुरानी जर्जर इमारतों और संकरी सड़कों को हटाकर पेरिस के लिए एक भव्य योजना बनाई। आज पेरिस की जो शान है, वह इसी विज़न का नतीजा है। एक जैसे मकान, एक समान रंग-ऊंचाई, डिज़ाइन की एकरूपता और हर सड़क पर कतार में लगे एक जैसे पेड़ इस शहर को एक निराला और अनुशासित रूप देते हैं। हालांकि, पुराने पेरिस की बनावट को देखकर लगता है कि ये सड़कें शायद पैदल यात्रियों और घोड़ा गाड़ियों के लिहाज से ही बनाई गई थीं।

### इतिहास और आधुनिकता का संतुलन

कहा जाता है कि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जब हिटलर ने पेरिस को पूरी तरह से ध्वस्त करने का आदेश दिया, तो जर्मन गवर्नर जनरल ने इसे मानने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि पेरिस इतना खूबसूरत है कि इसे नष्ट करना इतिहास के प्रति अपराध होगा। यह शहर इतिहास, कला, संस्कृति और आधुनिक फैशन का अद्भुत संगम है। पुराने पेरिस की एक खासियत यह है कि यहाँ ऊँची इमारतें न के बराबर हैं। जब यहाँ 'टूर मोंटपार्नास' जैसी 210 मीटर ऊँची इमारत बनी, तो लोगों ने इसे शहर की ऐतिहासिक खूबसूरती पर धब्बा माना। इसके बाद पुराने शहर में इमारतों की ऊंचाई पर 37 मीटर की सख्त सीमा तय कर दी गई, ताकि ऐतिहासिक स्मारकों की भव्यता हर तरफ से साफ नजर आए। आधुनिकता और गगनचुंबी इमारतों को पुराने शहर से दूर 'ला डिफेंस' में जगह दी गई, जो आज पूरे यूरोप का एक बड़ा व्यापारिक केंद्र है।

### वर्साय पैलेस : इतिहास का गवाह

**वर्साय** पैलेस भी पेरिस के प्रमुख आकर्षणों में शामिल है। हाल ही में यह तब चर्चा में आया, जब यहां अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए। हालांकि समझौते का भविष्य अभी अनिश्चित है, लेकिन इसने इतिहास की एक महत्वपूर्ण याद को ताजा कर दिया। वर्ष 1919 में प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद जर्मनी और मित्र राष्ट्रों के बीच प्रसिद्ध वर्साय संधि भी इसी महल में संपन्न हुई थी। 17वीं से 18वीं सदी तक यह फ्रांस का भव्य शाही निवास था। उस दौर में सजावट के लिए 1,000 किलोग्राम से अधिक सोने के वर्क का इस्तेमाल किया गया था। महल का हर कोना अपनी एक कहानी कहता है। साल 1979 में इसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। महल में कुल 2,300 कमरे हैं, जिनमें से 1,000 कमरे राष्ट्रीय संग्रहालय का हिस्सा हैं। इसके साथ ही यहाँ का विशाल पार्क 815 हेक्टेयर में फैला हुआ है।

### लूव्र संग्रहालय और 'मोनालिसा' की रहस्यमयी मुस्कान

**यूँ** तो पेरिस में कई संग्रहालय हैं, लेकिन 1793 में खुला 'लूव्र संग्रहालय'-जो पहले एक शाही महल था- दुनिया का सबसे बड़ा और लोकप्रिय कला संग्रहालय है। यहाँ 35,000 से अधिक ऐतिहासिक कलाकृतियाँ मौजूद हैं। लेकिन यहाँ का मुख्य आकर्षण लियोनार्डो दा विंची की विश्व प्रसिद्ध पेंटिंग 'मोनालिसा' है। रंगों और रेखाओं का अद्भुत संयोजन है कि इसे जिस भी कोण से देखें, इसकी रहस्यमयी मुस्कान आकर्षित करती है। संग्रहालय के परिसर में स्थित काँच का पिरामिड भी पेरिस के प्रमुख लैंडमार्क में से एक है।

### एफिल टावरः पेरिस की वैश्विक पहचान

पेरिस यात्रा की शुरुआत 'एफिल टावर' के बिना अधूरी है, जो मानव निर्मित अजूबों में से एक है। इसका निर्माण फ्रांसीसी क्रांति की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित विश्व मेले के प्रवेश द्वार के रूप में किया गया था। इसे डिज़ाइन करने का जिम्मा प्रसिद्ध इंजीनियर गुस्ताव एफिल की कंपनी को मिला था। शुरुआत में 324 मीटर (लगभग 81 मंजिला) ऊँचे इस लोहे के टावर को केवल 20 साल के लिए ही बनाया गया था, लेकिन सैन्य रेडियो टेलीग्राफ और विज्ञान के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता को देखते हुए इसे हमेशा के लिए बरकरार रख लिया गया। इसे बनाने में करीब 7,000 टन लोहे और 25 लाख रिवेट्स का इस्तेमाल हुआ। टावर में 3 मंजिलें हैं, जहाँ से पूरे पेरिस शहर का 360 डिग्री विहंगम दृश्य दिखाई देता है। पर्यटक लिफ्ट या 1,663 सीढ़ियों के सहारे ऊपर तक जा सकते हैं। रात के समय यहाँ का नजारा और भी जादुई हो जाता है, जब हर घंटे के शुरुआती 5 मिनट के लिए 20,000 विशेष एलईडी बल्बों से पूरा एफिल टावर जगमगा उठता है।

### अन्य प्रमुख आकर्षण

**»आर्क डी ट्रायम्फ :** यह स्मारक फ्रांसीसी क्रांति और नेपोलियन के युद्धों में शहीद हुए सैनिकों को समर्पित है। इसका निर्माण 1806 में नेपोलियन बोनापार्ट ने शुरू करवाया था, जो 1836 में पूरा हुआ। शहीदों की स्मृति में यहाँ एक अमर ज्योति हमेशा प्रज्वलित रहती है।

**»डिज्नीलैंड पेरिसः** बच्चों और परिवारों के लिए यह यूरोप का सबसे लोकप्रिय थीम पार्क है, जो पेरिस से लगभग 32 किलोमीटर दूर मार्ने-ला-वैली में स्थित है।

**»नोट्रे डेम कैथेड्रल :** यह गोथिक वास्तुकला का दुनिया भर में प्रसिद्ध एक ऐतिहासिक चर्च है। यदि आपके पास थोड़ा अधिक समय हो, तो आप फ्रांस के अन्य खूबसूरत शहरों जैसे नीस, कांस (जो फिल्म फेस्टिवल के लिए प्रसिद्ध है), स्ट्रासबर्ग और बोर्डो की सैर का आनंद भी ले सकते हैं। पेरिस केवल एक शहर नहीं, बल्कि इतिहास, कला, स्थापत्य, संस्कृति और आधुनिक जीवनशैली का जीवंत संगम है। शायद यही कारण है कि यहां आने वाला हर यात्री अपने साथ कुछ अविस्मरणीय यादें लेकर लौटता है।

## पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

**जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया**

### सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

**बुधवार, 24/06/2026**

**सूर्योदय :** 06:41 **सूर्यास्त :** 18:30 **चन्द्रोदय :** 08:30 **चन्द्रास्त :** 22:00 **शक सम्वत :** 1945 सोभाकृतु **अमान्ता महीना :** फाल्गुन **पूर्णिमांत :** फाल्गुन **सूर्य राशि :** कुम्भ **चन्द्र राशि :** मेष **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** चतुर्थी, 25:30 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1945 शोभकृत **चन्द्रमास फाल्गुन :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2080 नल **फाल्गुन :** अमान्त **गुजराती सम्वत :** 2080 राक्षस

### नक्षत्र, योग, करण

**नक्षत्र :** अश्विनी, 18:29 तक
**योग :** इंद्र, 24:44 तक
**प्रथम करण :** वणिजा, 14:46 तक
**द्वितिय करण :** विष्टि, 25:30 तक

### शुभ समय

| | |
|---|---|
| ब्रह्म मुहूर्त | 04:04 ए एम से |
| प्रातः सन्ध्या | 04:24 ए एम से |
| अभिजित मुहूर्त | कोई नहीं |
| विजय मुहूर्त | 02:43 पी एम से |
| गोधूलि मुहूर्त | 07:21 पी एम से |
| सायाह्न सन्ध्या | 07:23 पी एम से |
| अमृत काल | 07:01 ए एम से |
| निशिता मुहूर्त | 12:4 ए एम, जून 25 से |
| रवि योग | पूरे दिन |

**निवास और शूल**
**दिशा शूल :** उत्तर में
**राहु काल वास** दक्षिण-पश्चिम में
**होमाहुति :** शुक्र-शनि
**कुंभ चक्र:** दक्षिण-पश्चिम

### चौघड़िया

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| लाभ | : 06:41 - 08:09 | उद्वेग | : 18:30 - 20:01 |
| अमृत | : 08:09 - 09:38 | शुभ | : 20:01 - 21:32 |
| काल काल वेला | : 09:38 - 11:07 | अमृत | : 21:32 - 23:03 |
| शुभ | : 11:07 - 12:35 | चर | : 23:03 - 00:35 |
| रोग वार वेला | : 12:35 - 14:04 | रोग | : 00:35 - 02:06 |
| उद्वेग | : 14:04 - 15:32 | काल | : 02:06 - 03:37 |
| चर | : 15:32 - 17:01 | लाभ | : 03:37 - 05:08 |
| लाभ | : 17:01 - 18:30 | उद्वेग | : 05:08 - 06:40 |

*अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।*

### आज दशमी

**आज कौन सा कार्य करें**

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण कतई नहीं देना चाहिए।

### बुधवार को क्या करें

**बुधवार** की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

**ये कार्य करें :-** सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

**यह कार्य न करें:-** उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

**नोट :** शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

## राशिफल

ज्येष्ठ, शुक्ल, पंचमी, 2083 बुधवार, 24 जून - 30 जून, 2026

**मेष** [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]

**आपकी** कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। वैवाहिक जीवन को पर्याप्त समय नहीं दे पायेंगे। गरिष्ठ भोजन का सेवन न करें, अन्यथा पाचन खराब हो सकता है। घर में शुभ प्रसंग हो सकते हैं।

**वृषभ** [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]

विचारधारा से लोग अलगाव की भावना रख सकते हैं। सामाजिक कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। युवाओं को करियर में अच्छे विकल्प मिल सकते हैं। खराब स्वास्थ्य के कारण बेचैनी महसूस हो सकती है।

**मिथुन** [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]

आज आपका मूड बहुत ही अच्छा रहेगा। घर में अधिकाधिक समय बिताने का प्रयास करेंगे। व्यापार में विस्तार करने की योजना बनायेंगे। मनोरञ्जन और भोग-विलास में रुचि लेंगे।

**कर्क** [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

**सिंह** [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे]

नौकरीपेशा लोगों को तनाव हो सकता है। परिजनों की भावनाओं का ध्यान रखें। रियल एस्टेट में निवेश करते समय सावधानी रखनी चाहिये। क्रोध के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं।

**कन्या** [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]

ऑफिस में आपके प्रदर्शन की सराहना होगी। लेकर यात्रा कर सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**तुला** [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]

**पुराने** मित्रों से मिलना हो सकता है। विपरीत परिस्थितियों पर नियन्त्रण कर लेंगे। किसी परिजन या रिश्तेदार के विवाह की तैयारी हो सकती है। बच्चों की संगति और व्यवहार पर ध्यान दें।

**वृश्चिक** [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]

अधूरे कार्यों को पूर्ण करने का प्रयास कर सकते हैं। पैतृक सम्पत्ति को लेकर विवाद शान्त होंगे। घर में सामंजस्य बहुत ही अच्छा रहेगा। प्रेमीजन के साथ एकान्त समय बिताना पसन्द करेंगे।

**धनु** [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]

उच्चाधिकारियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता हो सकती है। नया व्यवसाय आरम्भ करने का विचार बनायेंगे। मित्रों के प्रति आपको उदार रहना चाहिये।

**मकर** [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]

कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त ध्यान देना पड़ेगा। दूसरों के मामले में हस्तक्षेप न करें। आपका बहुमूल्य समय अनावश्यक कार्यों में बर्बाद हो सकता है। वायरल और दर्द-बुखार की समस्या हो सकती है।

**कुंभ** [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]

आपको मेहनत बहुत ज्यादा करनी पड़ेगी। आय के नये विकल्प निर्मित हो सकते हैं। छोटे-मोटे कार्य निपटाने के लिये दिन बहुत अच्छा है। व्यवसाय में आपकी स्थिति मजबूत रहेगी।

**मीन** [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]

जो लोग आपका विरोध करते थे, वे भी आपके अनुकूल होते प्रतीत होंगे। धर्म-कर्म के प्रति आस्थावान रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

# भारत-ब्रिटेन FTA से किसानों, मछुआरों और MSME को होगा बड़ा फायदा-गोयल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) वास्तव में लोगों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया समझौता है, जिससे भारतीय किसानों, कारोबारियों, कारीगरों और देश भर के आम लोगों को लाभ मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "ब्रिटेन के प्रीमियम बाजार तक पहुंच मिलने से महिला उद्यमियों, युवाओं, स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए वैश्विक स्तर पर नए अवसर खुलेंगे। साथ ही यह समझौता भारत के मूल हितों से समझौता किए बिना वंचित वर्गों को भी सशक्त बनाएगा।" पीयूष गोयल ने कहा कि यह ऐतिहासिक समझौता भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और छोटे कारोबारियों को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने में मदद करेगा। इसके साथ ही रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और आम लोगों को बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध हो सकेंगे।

उन्होंने अपने एक विस्तृत लेख में बताया कि 15 जुलाई से लागू होने वाला यह परिवर्तनकारी और दोनों देशों के लिए लाभकारी समझौता भारतीय उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में व्यापक पहुंच प्रदान करेगा, खासकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों में। इसके तहत लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क तुरंत समाप्त कर दिया जाएगा, जो लगभग 100 प्रतिशत व्यापार मूल्य को कवर करता है, जिससे भारतीय निर्यातकों के लिए बड़े अवसर पैदा होंगे। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की मौजूदगी में सीईटीए पर हस्ताक्षर किए गए थे, जो समाज के सभी वर्गों को लाभ पहुंचाने वाला है।

इसके तहत किसानों को प्रीमियम निर्यात बाजारों तक पहुंच मिलेगी, जबकि उनके घरेलू हितों की भी सुरक्षा की जाएगी। मछुआरों को ब्रिटेन के विशाल बाजार में समुद्री उत्पादों के निर्यात का लाभ मिलेगा। श्रमिकों के लिए नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। महिला उद्यमियों, युवाओं, स्टार्टअप्स और एमएसएमई को वैश्विक वैल्यू चेन तक बेहतर पहुंच मिलेगी। वहीं पेशेवरों को भी अधिक गतिशीलता और पहचान के अवसर प्राप्त होंगे। मंत्री ने कहा कि यह समझौता भारतीय किसानों को ब्रिटेन के बाजार में ऐसे लाभ देगा, जो कई मामलों में यूरोपीय देशों को मिलने वाले लाभों के बराबर या उससे अधिक होंगे। हल्दी, काली मिर्च, इलायची और आम का गूदा, अचार तथा दालों जैसे प्रसंस्कृत उत्पादों को यूके में शुल्क मुक्त प्रवेश मिलेगा। इससे कृषि निर्यात बढ़ेगा, किसानों की आय में सुधार होगा और गुणवत्ता, पैकेजिंग तथा प्रमाणन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया कि इस समझौते में भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है ताकि घरेलू किसानों के हित सुरक्षित रह सकें। डेयरी उत्पाद, अनाज, मोटे अनाज (मिलेट्स), सेब, ओट्स और खाद्य तेल जैसे क्षेत्रों को समझौते में शामिल नहीं किया गया है। यह सरकार की उस नीति को दर्शाता है, जिसमें खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर किसान समुदायों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।

# झीलों की नगरी के रूप में विकसित हो रहा अजमेर, बढ़ेगा पर्यटन -विधानसभा अध्यक्ष

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** अजमेर के पर्यटन विकास में एक नया अध्याय जुड़ गया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चौरसियावास तालाब में 5.13 करोड़ रूपए की लागत से होने वाले सौन्दर्यीकरण की नींव रखी। यह शहर की तीसरी सबसे बड़ी झील है। सौन्दर्यीकरण के साथ ही यहां पर्यटन से जुड़े नए अवसर उपलब्ध होंगे।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि यह सुंदर झील निकट भविष्य में पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केन्द्र बनेगी। हमारा शहर अब एक पर्यटन नगरी बन रहा है तथा देशी-विदेशी सैलानियों के लिए यहाँ पर्यटन के अनेक नए केन्द्र तेजी से विकसित हो रहे हैं। चौरसियावास तालाब का स्वरूप पूरी तरह से निखरेगा एवं यहाँ शानदार पाथ वे, सुंदर गार्डन, सघन वृक्षारोपण तथा अत्यंत आकर्षक लाइटिंग लगाई जाएगी और साथ ही झील के सम्पूर्ण भराव क्षेत्र से सभी प्रकार के अतिक्रमण हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शहर की ऐतिहासिक आनासागर झील पर 8.5 किलोमीटर लम्बा पाथवे, चौपाटी, नौकायन एवं सैर-सपाटे की बेहतरीन जगह तैयार की गई है और इससे लोगों को पर्यटन की दृष्टि से काफी सुविधा मिल रही है। वरूण सागर झील के चारों तरफ भी पाथ वे का निर्माण होगा एवं एक विशाल उद्यान का विकास तेजी से हो रहा है। यहां वरूण देव की एक बहुत बड़ी मूर्ति एवं एक आकर्षक घाट बनेगा। इससे स्थानीय लोग तथा बाहरी सैलानी यहाँ अपना पूरा दिन से बिता सकेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने तारागढ़ विकास की एक बहुत बड़ी सौगात दी है।

# हिंदुस्तान जिंक ने हाइड्रोजन फ्यूल समाधान के लिए एडवांटेक और एरो ईगल के साथ किया एमओयू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**उदयपुर।** हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने एडवांटेक एसोसिएट्स एलएलपी और एरो ईगल ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू किया है। इस समझौते के तहत कंपनी अपने ऑपरेशन्स में ग्रीन हाइड्रोजन और अन्य क्लीन एनर्जी के उपयोग की संभावनाएं तलाशेगी। इस पहल का उद्देश्य नई तकनीकों का मूल्यांकन करना है, जिससे खनन कार्य को कम कार्बन और भविष्य के लिए तैयार बनाया जा सके। हिंदुस्तान जिंक खास तौर पर भूमिगत खनन में हाइड्रोजन फ्यूल इस्तेमाल करने वाली भारत की पहली कंपनी बनने की दिशा में काम कर रही है। यह कदम कंपनी के 2050 या उससे पहले नेट जीरो बनने के लक्ष्य का हिस्सा है। खनन और भारी उद्योगों में उत्सर्जन कम करना मुश्किल होता है, ऐसे में हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधन महत्वपूर्ण समाधान बनकर सामने आ रहे हैं।

हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा कि, "हम सस्टेनेबल माइनिंग के लिए नई

# चीन के विदेश मंत्री यी ने NSA डोभाल से आपसी सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा- चीनी दूतावास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**नई दिल्ली।** चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात को काफी अहम बताया। दोनों के बीच बैठक में द्विपक्षीय संबंधों तथा वैश्विक सहयोग पर चर्चा की गई। मंगलवार को नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास ने इसे लेकर बयान जारी किया। एक्स पर दिए बयान के मुताबिक वांग यी ने कहा, "दुनिया की दो सबसे अधिक आबादी वाले देश होने के नाते चीन और भारत को अपने संबंधों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सहयोग को आगे बढ़ाना चाहिए।" उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अपने नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमतियों को ठोस कदमों के माध्यम से लागू करना चाहिए, ताकि सहयोग के जरिए विकास और आधुनिकीकरण को गति दी जा सके, खासतौर पर ग्लोबल साउथ के विकास के संदर्भ में ऐसा हो। वांग ने यह भी कहा कि एक-दूसरे के "मूल हितों" का सम्मान करना आवश्यक है और संवेदनशील मुद्दों को उचित तरीके से संभाला जाना चाहिए।

# रोडवेज में आग, किशनगढ़ से अजमेर जाते वक्त लपटों से घिरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** किशनगढ़ से अजमेर की ओर जा रही राजस्थान रोडवेज की बस में मंगलवार को भीषण आग लग गई। बस में करीब 37 यात्री सवार थे। आग की घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि ड्राइवर की सूझबूझ और तत्परता के चलते सभी यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सभी यात्रियों को अन्य बस से गंतव्य की ओर रवाना किया गया है। जानकारी के मुताबिक, रास्ते में बस से धुआं निकलता दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप कर लिया।

### सतर्कता से बची कई जानें

**स्थिति** की गंभीरता को देखते हुए ड्राइवर राम अवतार ने तुरंत बस को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर खड़ा कर दिया. इसके बाद उन्होंने परिचालक की मदद से बस में सवार सभी 37 यात्रियों को तत्काल बाहर निकाल लिया। देखते ही देखते आग ने बस के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया और ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं।

### शॉर्ट शर्किट की आशंका

**घटना** की सूचना मिलते ही आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए. काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। यात्रियों ने चालक राम अवतार की सूझबूझ की तारीफ की।

# श्री संत बाबा मेहरदास ट्रस्ट सेवा संस्थान में योग शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के पावन अवसर पर स्थानीय समुदाय की महिलाओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने मुरलीपुरा स्कीम स्थित श्री संत बाबा मेहरदास ट्रस्ट सेवा संस्थान में एक विशेष योग शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्र म में नगेन्द्र वशिष्ठ, लोग चंद हरिरामानी, आशा हरिरामानी, मनोज कुमार शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, ममता शर्मा, वर्षा लखवानी, निशा, भगवानी, मधु अथवानी नेहा करवानी, गुड्डी खत्री, स्वास्थ्य, सजगता और मानसिक शांति को बढ़ावा देने के लिए बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। योग अभ्यास करने के लिए योग गुरु पायल भोजवानी ने विभिन्न प्रकार आसान व्यायाम करवाए वह उनके रोगों के निवारण महत्व बताइए इस अवसर पर सभी लोगों ने शपथ लेकर प्रत्येक दिन योग को अपनी जीवनचर्या में हिस्सा बनाने और अन्य लोगों को भी प्रेरित करने का संकल्प दोहराया। पोस्टिक आहार के रोगों पर प्रभाव की जानकारी के साथ, पोस्टिक आहार नास्ता कराया।

**राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी ने कानूनी आदेशों की अवहेलना करने उठाया सख्त कदम**

# आस्था बिल्डहोम डेवलपर्स संपत्ति कलेक्टर करेंगे कुर्क

### रिकवरी सर्टिफिकेट जारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**जयपुर।** जयपुर राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (RAJ-RERA) ने कानूनी आदेशों की अवहेलना करने वाले, सरकारी पेनल्टी दबाकर बैठने वाले और उपभोक्ताओं को अधर में लटकाने वाले प्रमोटरों के खिलाफ बड़ा और बेहद सख्त कदम उठाया है। अथॉरिटी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि रेरा के आदेशों को नजरअंदाज करने वाले डेवलपर्स के खिलाफ अब सीधे कुर्की और सार्वजनिक बदनामी की दोहरी विधिक स्ट्राइक की जाएगी।

रेरा की सदस्य रश्मि गुप्ता ने Suo-Moto मामले की सुनवाई करते हुए प्रमोटर मैसर्स आस्था बिल्डहोम डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड' के खिलाफ रिकवरी सर्टिफिकेट जारी करने के आदेश दे दिए हैं। इसके साथ ही, आम जनता को सचेत करने के लिए इस दागी बिल्डर का नाम और फोटो रेरा की आधिकारिक वेबसाइट पर बतौर 'डिफॉल्टर' दर्ज किया जाएगा। यह पूरा विधिक मामला प्रमोटर द्वारा समय-सीमा के भीतर प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पूरा न करने और सक्षम प्राधिकारी से 'पूर्णता प्रमाणपत्र' न लेने के कारण शुरू हुआ था। इस विधिक चूक पर रेरा ने सख्त रुख अपनाते हुए 28 सितंबर 2021 को ही प्रमोटर 'आस्था बिल्डहोम' पर ₹1,00,000 का भारी जुर्माना ठोंका था।

चौंकाने वाली बात यह रही कि इस आदेश को बीते 4 साल से अधिक का समय हो गया, लेकिन प्रमोटर ने जानबूझकर सरकारी खजाने में पेनल्टी की राशि जमा नहीं कराई। इस लेटलतीफी पर कोर्ट ने साल 2026 में प्रमोटर को अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए 23 जनवरी,13 फरवरी, 6 मार्च, 7 अप्रैल और 15 मई 2026 को लगातार पांच बार विधिक नोटिस तामील करवाए। इसके बावजूद प्रमोटर या उनका कोई भी विधिक प्रतिनिधि कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ।

अंतिम सुनवाई के दौरान रेरा के अतिरिक्त निदेशक (अभियोजन) सुरेन्द्र प्रसाद मीणा ने प्रमोटर की इस घोर लापरवाही का पूरा विधिक ब्योरा बेंच के सामने रखा। सुनवाई के बाद सदस्य रश्मि गुप्ता ने आदेश में सख्त टिप्पणी की कि "प्रमोटर द्वारा 4 साल से अधिक समय बीतने के बाद भी 28 सितंबर 2021 के आदेश की पालना न करना और बार-बार समन भेजने पर भी कोर्ट से गायब रहना यह साफ प्रमाणित करता है कि प्रतिवादी जानबूझकर रेरा के विधिक आदेशों की अवहेलना कर रहा है।"

कानून की संप्रभुता को बरकरार रखने के लिए रेरा अथॉरिटी ने प्रमोटर की वित्तीय रीढ़ तोड़ने और जनता के बीच उसकी साख को खत्म करने के लिए निम्नलिखित कड़े आदेश जारी किए हैं।

### कलेक्टर करेंगे कुर्की की कार्यवाही

**रेरा** रजिस्ट्री को निर्देश दिया गया है कि वह प्रमोटर के खिलाफ तत्काल प्रभाव से रिकवरी सर्टिफिकेट जारी करे। इस विधिक प्रमाण पत्र को संबंधित जिला कलेक्टर को भेजा जाएगा, जो रीयल एस्टेट अधिनियम, 2016 की धारा 40(1) के तहत भू-राजस्व (Land Revenue) की तर्ज पर बिल्डर की संपत्तियां कुर्क कर ₹1,00,000 की सरकारी पेनल्टी वसूल करेंगे।

### वेबसाइट पर जारी होगी प्रमोटर की फोटो

**आम** जनता, घर खरीदारों और भोले-भाले निवेशकों को इस धोखाधड़ी से बचाने के लिए रेरा ने अधिनियम की धारा 34(c) का उपयोग किया है। रजिस्ट्री को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि इस डिफॉल्टर प्रमोटर का नाम, उसका आधिकारिक फोटो और उसके प्रोजेक्ट की पूरी विधिक कुंडली रेरा पोर्टल पर 'डिफॉल्टर्स' की श्रेणी में सार्वजनिक की जाए।

# काश! न लिया होता कश

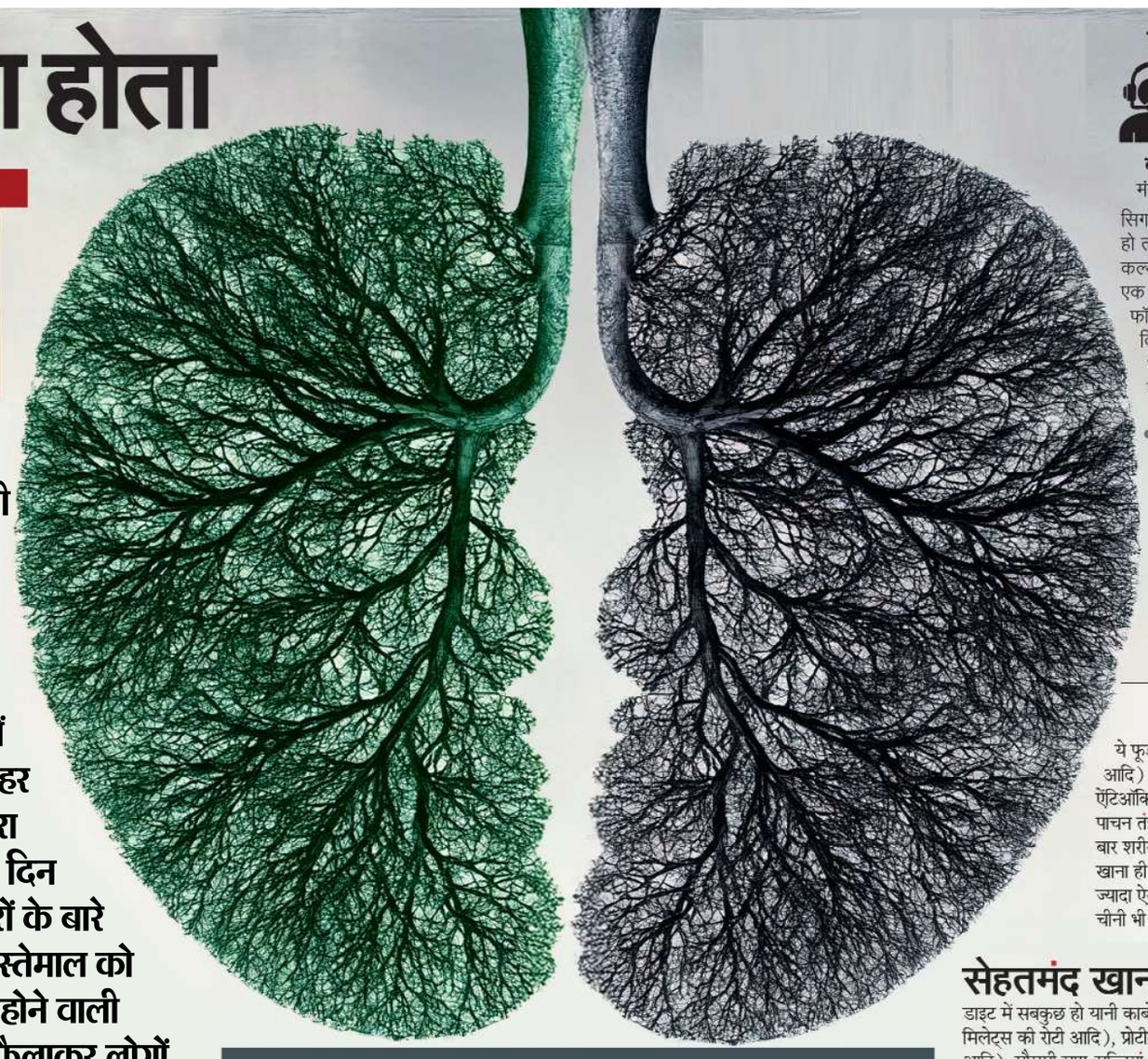

**सांसों की माला का ताना-बाना न बिगड़े, इसके लिए फेफड़ों का दमदार होना जरूरी है। स्मोकिंग वह कारगुजारी है जो फेफड़ों को बीमार और बहुत बीमार करती जाती है। आजकल बड़ी तादाद में टीनएजर्स भी स्मोकिंग की लत की चपेट में आ रहे हैं। इस लत से बाहर कैसे निकले और फेफड़ों की मजबूती के लिए क्या कर सकते है। हर साल 31 मई को, विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 'वर्ल्ड नो टोबैको डे' मनाया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य तंबाकू के सेवन के खतरों के बारे में लोगों को जागरूक करना और इसके इस्तेमाल को कम करना है। यह दिन तंबाकू के कारण होने वाली बीमारियों और मौतों के बारे में जानकारी फैलाकर लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करता है।**

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सांसों की जरूरत है जैसे जिंदगी के लिए...'। यह सच है कि सांसों और धड़कनों का होना ही हमारे जिंदा होने की निशानी है। इसलिए उन चीजों से परहेज करना चाहिए जो इन्हें रोकती हैं। हर मिनट हमारा दिल औसतन 70 से 90 बार धड़कता है और इस दौरान हम करीब 15 से 20 बार सांस भी ले लेते हैं। सीधा हिसाब करें तो 3 से 4 धड़कनों के बीच में 1 बार ही सांस की जरूरत पड़ती है। इसलिए सांस भी गहरी और क्वॉलिटी वाली लेनी चाहिए ताकि शरीर की जरूरत पूरी हो सके। सांस खींचने के बाद जब हवा नाक के सुराखों से होते हुए गले में मौजूद विंड पाइप को पार करते हुए फेफड़ों में मौजूद छोटी-छोटी थैलियों (Air Sacs- Alveoli) में पहुंचती है फेफड़ों में खून में मौजूद हीमोग्लोबिन ऑक्सिजन को बांध लेता है, फिर दिल उस ऑक्सिजन वाले खून को पंप करके पूरे शरीर में पहुंचाता है। इस ऑक्सिजन की मौजूदगी से ही शरीर के हर अंग को एनर्जी मिलती है। जो चीज हमारे लिए इतनी अहम है उसे हम स्मोकिंग यानी मुंह में धुआं भरकर खराब करने लगते हैं या तंबाकू चबाकर बर्बाद करने की कोशिश में रहते हैं। इससे अंग, कोशिकाएं कराहने लगती हैं। स्मोकिंग का असर शरीर के सभी अंगों और सभी कोशिकाओं पर पड़ता है।

## इन सबसे लग सकती है तंबाकू की लतः

तंबाकू की लत हर उस चीज से लग सकती है जिसमें निकोटीन होता है। कई बार इसकी शुरुआत एक कश या एक बार खाने से होती है और फिर सिलसिला शुरू हो जाता है। पहले दिन में एक बार, फिर दो और फिर तलब के अनुसार। इसलिए जिंदगी में पहला कश लगाने से पहले इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कहीं यह सिलसिला न चल पड़े। एक बार लत लग जाए चाहे लत वह धुएं वाली हो (सिगरेट, बीड़ी, हुक्का आदि) या फिर बिना धुएं वाली (खैनी, गुटखा, जर्दा आदि), वेपिंग (इसमें धुएं की जगह भाप होती है) परेशानी घेर ही लेती है। यह लत छोटी-मोटी बीमारी (खांसी, दम फूलना आदि) से लेकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी पैदा कर सकती है।

## तंबाकू में नुकसानदायक केमिकल

**सिगरेट में 40 ऐसे केमिकल हैं, जो कैंसर की वजह बनते हैं। इनमें ये हैं ज्यादा खतरनाकः**

- **निकोटीनः** यह लत लगाने वाला केमिकल है। काफी शक्तिशाली है और तेजी से रिएक्शन करता है। सिगरेट की लत इसी की वजह से लगती है।
- **फॉर्मल्डिहाइडः** काफी जहरीला होता है। इसका इस्तेमाल शवों को सुरक्षित रखने में किया जाता है। इससे कैंसर होने का खतरा रहता है। अमोनिया, एसिटोन आदि भी मौजूद होता है।
- **बेंजीनः** इसमें कोयला और पेट्रोलियम जैसे ज्वलनशील पदार्थों का गुण होता है। यह सिगरेट की जलते रहने में मदद करता है।
- **टारः** स्मोकिंग के समय धुएं के रूप में यह फेफड़ों में जमा होता है। इसकी वजह से फेफड़ों का रंग काला होता चला जाता है। फेफड़ों की क्षमता कम हो जाती है। दरअसल, स्मोकिंग के दौरान जितना टार बनता है उसका 70 फीसदी फेफड़ों में ही जमा होता है। यह फेफड़ों की क्षमता कम कर देता है।

### इतना ज्यादा निकोटीन होता है सिगरेट और तंबाकू में

1 सिगरेट में करीब 8 से 12mg निकोटीन होता है जो जलकर 1 से 1.5 mg रह जाता है। निकोटीन की वजह से ही लत लगती है। साथ ही यह केमिकल के साथ रिएक्शन कर टार बनाता है। यह टार फेफड़ों के ऊपर परत के रूप में चढ़ जाता है। अलग-अलग सिगरेट में निकोटीन का स्तर अलग-अलग होता है। सूखे हुए 1 ग्राम तंबाकू में निकोटीन का स्तर 13.7 से 23.2mg तक होता है।

## स्मोकिंग और तंबाकू से नुकसान

- अपने देश में कैंसर के सबसे ज्यादा मामले लंग्स कैंसर, स्मोकिंग की वजह से ही सामने आते हैं।
- इतना ही नहीं, शरीर के किसी भी हिस्से में होने वाले कैंसर की बड़ी वजह भी स्मोकिंग या तंबाकू का सेवन हो सकता है।
- मुंह के कैंसर और आहार नली के कैंसर का खतरा भी तंबाकू की वजह से काफी बढ़ जाता है।
- इनकी वजह से ब्रॉन्काइटिस (सांस की नलियों में सूजन) भी होती है। दुनिया में लोगों के किसी बीमारी से मरने की वजह में यह तीसरे नंबर पर है।
- डायबीटीज होने का खतरा भी तंबाकू की वजह से बढ़ सकता है। वहीं टीबी, दमा आदि के होने की एक बड़ी वजह स्मोकिंग है।
- अगर किसी को कोई दूसरी बीमारी है तो वह बीमारी भी नशे की लत की वजह से ज्यादा परेशान करती है।
- निकोटीन लेने की वजह से मानसिक सेहत भी सही नहीं रहती। कई लोगों को डिप्रेशन होने का अंदेशा भी बढ़ जाता है।
- धुएं या फिर बिना धुएं की लत की वजह से इन्फर्टिलिटी की परेशानी उभर सकती है। प्रेग्नेंसी कंसीव करने में भी परेशानी हो सकती है।

## पुरुष-महिला की सेक्स लाइफ पर भी असर

### पुरुषों में क्या हो सकती है परेशानी

**पिछले 50** साल में पुरुषों में स्पर्म की संख्या में कुदरती तौर पर ही काफी गिरावट देखी जा रही है। ऐसे में अगर किसी को स्मोकिंग या तंबाकू की लत है तो मान लें कि यह गिरावट काफी ज्यादा हो सकती है। नुकसान इतना ही नहीं है, स्पर्म की मोबिलिटी (गति) भी कम होती जाती है। इस वजह से कई बार पुरुष पिता बनने में सफल नहीं हो पाता है। अगर यही लत किसी महिला को है तो गर्भ में पल रहे बच्चे को यह काफी नुकसान पहुंचा देता है। हकीकत यह है कि लंबे समय तक सिगरेट पीने या फिर तंबाकू खाने से इंसान की सेक्स की इच्छा पर भी विपरीत असर पड़ता है। स्मोकिंग खून की नसों को सिकोड़ देता है। यह खून को भी गाढ़ा कर देता है। इन वजहों से उत्तेजना होने पर खून का प्रवाह तेज नहीं हो पाता। लंबे समय तक स्मोकिंग करने से सेक्स की इच्छा और स्पर्म काउंट भी कम हो जाता है। जब कोई शख्स स्मोकिंग बंद करता है तो सेक्स की इच्छा की वापसी तो हो सकती है, लेकिन मुमकिन है कि उस शख्स का परफॉर्मेंस पहले जैसा न हो पाए।

### महिलाओं में किस तरह की दिक्कत

निकोटीन की वजह से एस्ट्रोजन (सेक्स की इच्छा और प्राइवेट पार्ट में गीलेपन के लिए अहम हार्मोन) की कमी हो सकती है। स्मोकिंग और तंबाकू से ब्लड सर्कुलेशन कम होने लगता है। खून की नसें सिकुड़ने लगती हैं। ये प्रेग्नेंसी में बाधा उत्पन्न करते हैं। सेहतमंद एग पैदा नहीं हो पाते। IVF (कृत्रिम रूप से गर्भाधान) करवाने वाली महिलाओं में मिसकैरेज (गर्भपात) का खतरा ज्यादा होता है। इससे सर्विक्स के कैंसर का खतरा भी ज्यादा हो सकता है। पेसिव स्मोकिंग की वजह से वैसे तो सभी को हानि होती है, प्रेग्नेंट लेडी को ज्यादा खतरा होता है।

## इतने फीसदी लोग हैं रिस्क पर

### स्मोकिंग और तंबाकू

- **30-31%** लोग पूरे देश में किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं।
- **10-11%** लोग सिर्फ स्मोकिंग करते हैं।
- **20-21%** लोग बिना धुएं वाला यानी सिर्फ तंबाकू चबाते हैं।
- **2-3%** लोग स्मोकिंग भी करते हैं और तंबाकू भी चबाते हैं।

सोर्सः Global Adult Tobacco Survey (GATS) स्टडी 2016-17

**लत लगना**

**60-90%** में स्मोकिंग की लत 18-19 की उम्र से पहले ही लग जाती है।

**10** लाख से ज्यादा लोग हर साल स्मोकिंग, तंबाकू की वजह से जान गंवाते हैं। इनमें 1.3 लाख मौतें पैसिव स्मोकिंग (जो दूसरों का छोड़ा हुआ धुआं अपने अंदर लेते हैं) करने वालों की भी होती है।

## लत के लक्षण

- 1 मिनट में दिल औसतन 70 से 90 बार धड़कता है। तंबाकू की लत लगने के बाद यह 90 से 110 बार तक धड़क सकता है।
- भूख कम महसूस होना
- लार और कफ ज्यादा बनना
- छोटी-छोटी बातों पर बेचैनी महसूस होना
- हर काम करने के लिए तंबाकू की जरूरत महसूस होना
- निकोटीन लेने की इच्छा बढ़ जाना
- चिंता बढ़ना, डिप्रेशन आदि महसूस होना
- सिर दर्द होना और ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होने लगना

**नोटः ये लक्षण दूसरी बीमारी के भी हो सकते हैं। सही फैसला डॉक्टर ही कर सकते हैं।**

## कैसे निकलें लत से

जबसे स्मोकिंग या तंबाकू की लत को लात मारेंगे, उसी दिन से तन-मन के अच्छे दिन शुरू हो जाएंगे। पर यह भी सच है कि लत से निकलना आसान नहीं होता, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। चूंकि मुश्किल होता है, इसलिए अगर 100 स्मोकर्स इसे छोड़ने की कोशिश करते हैं तो उनमें से 10 ही पूरी तरह छोड़ने में सफल हो पाते हैं। दरअसल, किसी भी लत से पीछा छुड़ाने में उस शख्स के आत्मबल यानी विल पावर की अहम भूमिका होती है। अगर कोई इसकी गिरफ्त से बाहर निकलना चाहता है तो इन बातों का ध्यान रख सकता हैः

- हमेशा इस बात को समझना चाहिए कि नशे की लत से आजाद होना 'It's never too late' यानी 'जब जागो तभी सवेरा' वाली बात होती है।
- यह सोचना चाहिए कि जिस दिन से इसे हाथ लगाना बंद करेंगे, इसके फायदे उसी दिन से शुरू हो जाएंगे।
- लत से निकलने के लिए एक तारीख तय करें। यह तारीख किसी का जन्मदिन, मैरिज एनिवर्सरी आदि हो सकती है।

उस दिन सिगरेट या तंबाकू आदि को फेंक दें। लाइटर को हटा दें और ठान लें कि आज के बाद कोई नशा नहीं करना है।

- ऐसे दोस्तों या ग्रुप को बाय-बाय कह दें जो नशा करते हों।
- धीरे-धीरे कम करते हुए सिगरेट से पीछा छुड़ाना बहुत मुश्किल है। मान लें आज किसी ने 10 की जगह सिर्फ 5 सिगरेट पीं। कल किसी बात की टेंशन हुई तो फिर से वह 10 या इससे भी ज्यादा सिगरेट पी सकता है। इसलिए अगर सिगरेट छोड़नी है तो एक ही दिन में टाटा, बाय-बाय करना होगा।

## निकोटीन के विड्रॉल सिम्पटम्स आएं तो...

- इसका मुकाबला पहले अपने शौक को पूरा करके कर सकते हैं। जब तलब महसूस हो तो गीत-संगीत, डांस, बातचीत, कुकिंग आदि में लग जाएं।
- अगर शौक पूरा करने से भी बात न बने तो निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरपी का सहारा ले सकते हैं। इसके लिए अपने डॉक्टर से मिलें। हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें।

### निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरपी

निकोटीन से मुक्ति पाने के लिए निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरपी दी जाती है। इसमें निकोटीन लॉजिन्जिस (Nicotine Lozenges) यानी मुंह में रखने वाली गोलियां, ट्रांसडर्मल निकोटीन (Transdermal Nicotine) यानी स्किन पर लगाने वाले पैच, निकोटीन इनहेलर (Nicotine Inhaler), निकोटीन नेजल स्प्रे (Nicotine Nasal spray), निकोटीन गम्स (Nicotine Gums) का प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा च्यूइंग-गम का विकल्प भी होता है। इन दवाओं को डॉक्टर की सलाह से ही लेना चाहिए। इन तमाम दवाओं को तब लेने की सलाह दी जाती है, जब सिगरेट की बहुत ज्यादा तलब महसूस हो।

## नशा से निकलने के लिए यहां करें कॉल

**1800-11-2356**

**कब कॉल करें:** मंगलवार से रविवार | **टाइमिंग:** सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक | **किस दिन बंद:** सोमवार

सिगरेट, बीड़ी, वेप, तंबाकू, गुटखा, जर्दा आदि में से कोई या कई तरह की लत हो तो इस नंबर पर डायल करें। यह केंद्र सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का तंबाकू छोड़ो हेल्पलाइन नंबर है। अहम बात यह है कि एक बार किसी ने यहां कॉल की और अपनी सही डिटेल दी तो सालभर तक फॉलोअप करने की जिम्मेदारी सरकार (कॉल सेंटर वालों) की होती है। हमने दिए हुए नंबर पर कॉल की तो उन्होंने बताया कि एक से डेढ़ हफ्ते में किसी भी तरह की निकोटीन की लत को छुड़वाने की कोशिश करते हैं। सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू आदि की पैकिंग पर हमारा हेल्पलाइन नंबर दिया रहता है। इस पर संपर्क करें। हम अपनी तरफ से पूरी मदद करते हैं।

## सेहतमंद फेफड़ों के लिए जान लें ये-ये बातें

सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू जैसी चीजों से पूरी तरह तौबा करना और पैसिव स्मोकर भी न बनना जरूरी है।

### पैक्ड फूड आइटम्स और जंक फूड से बचें

ये फूड आइटम (नूडल्स, चिप्स, कुरकुरे, समोसे, रिफाइंड और मैदे से बने उत्पाद आदि) स्वाद में भले ही लजीज हों, पर सेहत को जलील करते हैं। ये एकतरफ ऐंटिऑक्सिडेंट तो कम बनाते हैं, लेकिन फ्री रेडिकल्स बहुत ज्यादा बनाते हैं। इससे हमारा पाचन तंत्र और इम्यूनिटी कमजोर होती है और सबसे अहम हम मोटे होते जाते हैं। कई बार शरीर में खून की कमी भी हो जाती है। नतीजा शरीर कमजोर हो जाता है। वैसे तो इन्हें खाना ही नहीं चाहिए, पर मन को मनाना मुश्किल होता है। इसलिए महीने में एक बार से ज्यादा ऐसी चीजों को नहीं खाना चाहिए। ज्यादा प्रोसेस्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड से बचें। चीनी भी घटाएं। कोल्ड ड्रिंक्स और पैक्ड जूस बिलकुल न लें।

## सेहतमंद खाना खाएं

डाइट में सबकुछ हो यानी कार्बोहाइड्रेट (चावल, मिलेट्स की रोटी आदि), प्रोटीन (पनीर, दालें, अंडा आदि), मौसमी साग-सब्जियां (भिंडी, सहजन, परवल, लौकी आदि), सलाद (खीरा, चुकंदर, टमाटर आदि)। इनके अलावा 2 पीस या 2 प्लेट मौसमी फल (सेब, पपीता, केला, तरबूज आदि)। वहीं ड्रिंक्स में जलजीरा, छाछ, सत्तू, आम पना, नमकीन लस्सी आदि लें।

**ऐसी हो खाने की प्लेट**

- हमारी प्लेट में आधा हिस्सा फ्रूट्स-सलाद और सब्जियों का होना चाहिए। एक चौथाई हिस्सा कार्बोहाइड्रेट यानी अनाज और एक चौथाई प्रोटीन।
- रोटी या चावल ले रहे हैं तो भी प्लेट का चौथाई हिस्सा ही होगा। कच्ची सब्जियां या फल खाने से मेटाबॉलिजम और इम्यूनिटी तेज होती है।
- अगर दालों को कुछ घंटे तक भिगोकर रखने के बाद पकाएं तो अच्छा रहता है।
- अगर पेट हमेशा फूला रहता है तो ग्लूटेन युक्त और डेयरी प्रॉडक्ट्स से परहेज करें।

## एक्सरसाइज करें

हर दिन 40 से 50 मिनट की एक्सरसाइज जरूरी है। इसके अलावा ब्रेथ होल्डिंग एक्सरसाइज और डीप ब्रीदिंग से भी फेफड़े मजबूत होते हैं। इनके अलावा ये तरीके भी हैं, जिनसे फेफड़े मजबूत होते हैं। पता लग जाता है कि फेफड़ों में कितना है दमः

**Three Balls Spirometer:** सांस की क्षमता को जांचने और बढ़ाने में 'थ्री बॉल्स स्पाइरोमीटर' का इस्तेमाल भी कारगर है। इसमें एक पाइप होता है और प्लास्टिक की 3 हल्की बॉल। पाइप के माध्यम से सांस अंदर खींचना होता है। अगर किसी के सांस अंदर खींचने से तीनों बॉल ऊपर उठ जाती हैं और बॉलों को कुछ सेकंड तक सांस रोककर होल्ड कर पाता होता है तो इसका मतलब है उसके फेफड़ों की क्षमता सही है।

अगर कोई तीनों बॉल नहीं उठ पा रहा तो उसे अपनी क्षमता को बढ़ाने की जरूरत है। इस मशीन का इस्तेमाल दिन में 2 से 3 बार कर सकते हैं।

## सांस रोकने वाली एक्सरसाइज से भी फायदा

ऊपर बताई हुई एक्सरसाइज के अलावा सांस रोकने की क्षमता से भी पता चलता है कि फेफड़े कैसा काम कर रहे हैं। अगर कोई शख्स लंबी सांस खींचकर 45 सेकंड से 1 मिनट या इससे ज्यादा देर तक इसे रोककर रख ले तो यह मान लिया जाता है कि उसके फेफड़ों की क्षमता अच्छी है क्योंकि उसके फेफड़ों ने काफी अच्छी मात्रा में बाहर की हवा को शरीर के भीतर पहुंचाया। यहां इस बात का ध्यान रखें कि अगर कोई 30 सेकंड तक ही अपनी सांस रोक पाता है तो धीरे-धीरे कोशिशों से उसकी क्षमता भी बढ़ जाती है। परेशानी हो तो जबरदस्ती न करें।

## ई-सिगरेट और वेप भी हैं खतरनाक

**Q** वेपिंग (Vaping) शब्द वेपर (Vapour) से बना है। इसका मतलब है निकोटीन और दूसरे हानिकारक केमिकल एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस (E-Cigarette) के जरिए वेपर यानी वाष्प के रूप में मुंह के अंदर लेना। सीधे कहें तो ई-सिगरेट से सिगरेट पीने की प्रक्रिया को वेपिंग कहते हैं। दरअसल, इससे सिगरेट या बीड़ी आदि की तरह पूरी तरह धुएं के रूप में नशा नहीं होता, बल्कि यह भाप की तरह होता है जो कई केमिकल मिलाकर तैयार किया जाता है। धुआं न होने से लोग इसे हानिकारक नहीं मानते। यह गलत है।

यह कई तरह के फ्लेवर में मिलता है, मसलनः चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी आदि। यह सिगरेट से 10 गुना तक महंगा होता है। वेपिंग में माचिस या लाइटर से आग नहीं लगाई जाती बल्कि बैटरी की मौजूदगी से हीट पैदा की जाती है। इसी गर्मी से वे केमिकल भाप में बदल जाते हैं। फिर उस भाप को वह शख्स मुंह में खींचता है। इससे नशा होता है यानी कुछ किक मिलती है। अहम बात यह है कि इसमें भी लत लगने वाला केमिकल निकोटीन ही होता है। जब कोई टीनऐजर वेपिंग शुरू करता है तो निकोटीन की वजह से धीरे-धीरे उसे इसकी लत लग जाती है। जब कभी उसे वेप का मौका नहीं मिलता तो वह फौरन ही सिगरेट आदि पीना शुरू कर देता है।

अपने देश में यह पूरी तरह बैन है। इसे खरीदना या बेचना गैरकानूनी है, लेकिन यह भी सच है कि विदेश से मंगाकर इसे यहां छुपाकर बेचा जाता है। परेशानी की बात यह है कि इसकी लत का शिकार 10 साल के बच्चे से लेकर 19 साल तक के युवा हो रहे हैं। उन्हें लगता है कि वेपिंग से कोई नुकसान नहीं है। इससे लत नहीं लगती। वे पूरी तरह गलत हैं। निकोटीन इनमें भी होता है, निकोटीन की वजह से वेपिंग की भी लत लगती है और इसका नुकसान भी करीब-करीब सिगरेट जितना ही है। इससे लगभग उतनी ही परेशानियां और बीमारियां होती हैं, जितनी सिगेटर, बीड़ी या फिर हुक्का आदि पीने से। यह भी फेफड़ों को कमजोर करता है। सांस फूलने आदि की परेशानियां इससे भी होती हैं।

## स्मोकिंग, तंबाकू छोड़ते ही फायदा शुरू

**Q स्मोकिंग छोड़ने के बाद फेफड़ों पर रिस्क कितना कम हो जाता है?**

अगर किसी को लत है और उसने नशा करना बंद कर दिया तो फायदा जरूर होता है। फेफड़ों के बीमार पड़ने की आशंका थोड़ी कम हो जाती है या फिर बीमारी की प्रक्रिया धीमी हो सकती है। शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो जाता है, बीपी और शुगर को काबू करना आसान हो जाता है। वह शख्स पहले की तुलना में ऊर्जावान महसूस करता है। लेकिन यह कहना कि सब कुछ पहले जैसा हो जाता है, थोड़ा मुश्किल है। लेकिन फायदा तो दिख ही जाता है। इसलिए नशा शुरू ही नहीं करना चाहिए।

**Q क्या सिगरेट की तुलना में बीड़ी, हुक्का, खैनी, गुटखा कम नुकसान करते हैं?**

ये सभी कैंसर पैदा करने वाले कारक हैं और सभी बहुत ज्यादा नुकसानदायक हैं। ये चीजें कई तरह की बीमारियां पैदा करती हैं। इनमें कोई भी किसी से कम या ज्यादा नहीं है।

**Q पलूशन का असर फेफड़ों पर?**

जब एयर पलूशन बढ़ता है तो हवा में मौजूद धूल के छोटे-छोटे कण सांस के जरिए हमारे फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं। इस दौरान ये कण नाक के सुराखों, सांस की नली आदि में भी परेशानी पैदा करते हैं। ड्राइ नोज, गले में खराश इसके अहम लक्षण हैं। गले में इनकी मौजूदगी की वजह से म्यूकस ज्यादा निकलता है। यह बलगम के रूप में बाहर आता है। शरीर में बहुत ज्यादा मात्रा में बेकार पदार्थ यानी ज्यादा फ्री-रेडिकल्स बनते हैं। जब शरीर के अंदर पलूशन की मौजूदगी ज्यादा होने लगती है तो ऐंटिऑक्सिडेंट की डिमांड भी ज्यादा होती है। अगर हम इसे सही मात्रा में नहीं लेंगे तो शरीर में एलर्जी, सांस फूलने की समस्या, सूखी या बलगम वाली खांसी होने लगती है। इसके बाद शरीर में ऊर्जा की कमी होने लगती है। सीधे कहें तो फेफड़ों पर सीधा असर होता है। इसलिए कोशिश यह होनी चाहिए कि जब पलूशन का स्तर ज्यादा हो तो घर से बाहर कम ही निकलें। अगर निकलना भी हो तो अच्छी क्वॉलिटी का मास्क पहनकर निकलें और स्मोकिंग आदि से दूर ही रहें।

### चिकित्सा मंत्री खींवसर बोले- जोधपुर के सारे मामले अलग

# दर्द नहीं चाहती युवा पीढ़ी, इसलिए बढ़ रहे सिजेरियन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जोधपुर।** "पेन" नहीं चाहती युवा पीढ़ी, इसलिए "सिजेरियन" बढ़ रहे हैं। कोटा-बीकानेर के बाद जोधपुर में प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने के प्रकरण को लेकर चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर मीडिया ब्रीफिंग की। खींवसर ने कहा कि जोधपुर के सारे मामले अलग-अलग हैं। फिलहाल 6 महिलाओं की तबीयत बिल्कुल ठीक है। एक को हाई डायबिटीज थी, जिसे गंभीर देखते हुए जोधपुर एम्स रैफर किया गया है। जबकि जोधपुर में भर्ती एक अन्य महिला को पीलिया की शिकायत है। उन्होंने कहा कि कोटा, बीकानेर और जोधपुर के प्रकरणों को जोड़ा नहीं जाना चाहिए।

इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि अस्पतालों में सिजेरियन केस बढ़ रहे है। आज की युवा पीढ़ी दर्द नहीं चाहती, इसलिए सिजेरियन मामले बढ़ रहे। इसमें भी अधिकांश वे होती है, जो किसी दूसरे सेंटर से रैफर होकर आती है। गंभीर हालत में धक्के खाकर हमारे अस्पतालों में मरीज आते हैं। ये हमारे सेंटरों के प्रति आमजन का विश्वास दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि सभी का चिकित्सकीय देखरेख में उपचार चल रहा है। मामला सामने आने के बाद पूरी गंभीरता बरती जा रही है। मैं खुद लगातार मामले की मॉनिटरिंग कर रहा हूं। बता दें कि 8 प्रसूताओं की सिजेरियन डिलीवरी के बाद तबीयत बिगड़ गई। कोटा और बीकानेर के बाद जोधपुर के पावटा जिला अस्पताल का मामला है। 20 जून को सभी की सिजेरियन डिलीवरी होने की सूचना है। 6 प्रसूताओं को सेप्टीसीमिया और दो प्रसूताओं के किडनी खराब होने की सूचना मिली। दो प्रसूताओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों को एमडीएम अस्पताल की आईसीयू में भर्ती कराया गया। संक्रमण की आशंका के चलते ऑपरेशन थिएटर को सीज किया गया। दवाओं के लिए सैंपल गए। फिलहाल कॉलेज प्रशासन मामले की जांच करवा रहा है। जांच के बाद मामले में स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

### मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रामीण सेवा शिविर का किया अवलोकन

# ग्रामीण अधिक से अधिक संख्या में शिविरों का उठाएं लाभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**पाली।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पाली के सुमेरपुर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नेतरा में ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न विभागों की स्टॉल्स का अवलोकन कर लाभार्थियों से संवाद किया तथा शिविर का फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को राहत पहुंचाने के लिए प्रदेशभर में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर संचालित किए जा रहे हैं। इनमें किसान, मजदूर, गरीब, दिव्यांग, महिला सहित प्रत्येक वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। इन शिविरों में दस्तावेज शुद्धिकरण के कार्य होने से वंचितों को योजनाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित हो रहा है। उन्होंने कहा कि शिविरों में नाम शुद्धिकरण, नामांतरण, रास्तों एवं एनएफएसए के प्रकरणों का निस्तारण, पेंशन सत्यापन जैसे विभिन्न काम हो रहे हैं। इसी प्रकार किसानों को मृदा परीक्षण, बीज मिनीकिट, फलदार वृक्षों की पौध उपलब्ध करवाकर लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसी प्रकार पशुपालक भी पशु स्वास्थ्य जांच एवं उपचार का फायदा उठाएं। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि जागरूकता के साथ ग्रामीण इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

#### नाम शुद्धिकरण से मिल सकेगी किसान सम्मान निधि

मुख्यमंत्री ने नाम शुद्धिकरण के प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि एक किसान का नाम जमाबंदी में ओट सिंह दर्ज था, जबकि शैक्षणिक व अन्य दस्तावेजों में नाम अर्जुन सिंह था। इस मामूली अशुद्धि के कारण उन्हें किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिल पा रहा था। शिविर के माध्यम से नाम का शुद्धिकरण हुआ है जिससे अब उन्हें किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ भी मिल सकेगा। शिविर में मुख्यमंत्री ने हजाराम, भैराराम, मांगीलाल को विमुक्त, घुमंतु, अर्द्धघुमन्तु श्रेणी में पट्टा वितरण, अजु देवी को पुराने घर का विनियमितीकरण तथा कपूराराम को रियायती दर पर पट्टा आवंटन के प्रमाण-पत्र सौंपे।

# विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, व्यक्तित्व और संवाद का नया साथी हैं टील्स एडुपेपर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**भीलवाड़ा।** गांधीनगर स्थित टील्स एजुकेशन ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए 'टील्स एडुपेपर' लॉन्च किया है। यह एक विशेष शैक्षणिक पेपर है, जिसे समाचार पत्र की तरह तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा, संवाद कौशल, व्यक्तित्व विकास और जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों को सरल तरीके से समझाना है।

टील्स एडुपेपर में कम्युनिकेशन स्किल्स, प्रेजेंटेशन स्किल्स, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, टाइम मैनेजमेंट, करियर मार्गदर्शन, दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली अंग्रेजी, भावनाओं और विचारों को समझने की कला तथा प्रभावी संवाद के तरीके जैसे विषयों को संक्षिप्त और आसान भाषा में प्रस्तुत किया गया है। इसमें ऐसी जानकारी भी दी गई है जो विद्यार्थियों को स्वयं को बेहतर समझने और अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करेगी। इस एडुपेपर का विमोचन टील्स एजुकेशन के उन विद्यार्थियों द्वारा किया गया, जो यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज़ और नॉनवायलेंट कम्युनिकेशन का कई महीनों व वर्षों से नियमित अभ्यास कर रहे हैं। यह एडुपेपर संस्थान के सहानिदेशक अभिलाष मोदी द्वारा लिखा गया है। इसके निर्माण और प्रकाशन में संस्थान के कई विद्यार्थियों, प्रशिक्षकों और टीम सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। संस्थान के अनुसार, टील्स एडुपेपर का उद्देश्य केवल अंग्रेजी सिखाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के विचार, व्यवहार, संवाद और व्यक्तित्व को बेहतर बनाने में सहयोग देना है, ताकि वे अपने जीवन और करियर में अधिक सफल और जागरूक बन सकें।

# सरिस्का में एक साथ नजर आए 6 टाइगर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**अलवर।** सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य एक बार फिर पर्यटकों के लिए रोमांच का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। यहां सफारी पर आए सैलानियों के लिए ये पल सबसे यादगार पल बन गया। बफर जोन के जंगल में सैलानियों ने एक साथ छह बाघों को अठखेलियां करते और जंगल में घूमते हुए देखा। वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह किसी लॉटरी लगने जैसा था, क्योंकि सरिस्का के इतिहास में ऐसे मौके बेहद कम ही देखने को मिलते हैं। दरअसल जब पर्यटकों की गाड़ियां सफारी के लिए जंगल में निकलीं, तो शुरुआत के करीब डेढ़ घंटे तक दूर-दूर तक कोई हलचल नहीं दिखाई दी।

# मुख्यमंत्री दौरे की कवरेज से रोके जाने का आरोपः जागरूक जनता के पत्रकार तुषार पुरोहित ने उठाए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रेस अधिकारों पर सवाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**सिरोही।** राजस्थान के सिरोही जिले में मुख्यमंत्री के दौरे की कवरेज के दौरान एक पत्रकार को रोके जाने के आरोप ने प्रेस की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति के अधिकार और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वरिष्ठ पत्रकार तुषार पुरोहित ने आरोप लगाया है कि उन्हें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के माउंट आबू दौरे की रिपोर्टिंग के लिए जाते समय पुलिस द्वारा रास्ते में रोक दिया गया, जबकि रोकने के कारणों की स्पष्ट जानकारी भी नहीं दी गई। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को माउंट आबू दौरे पर पहुंचे थे। इसी कार्यक्रम की कवरेज के लिए पत्रकार तुषार पुरोहित भी रवाना हुए थे। उनका आरोप है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर भुजेला क्षेत्र के पास उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल से लगभग 40 किलोमीटर पहले ही उन्हें रोक दिया गया, जबकि वे अपने पत्रकारिता दायित्वों के निर्वहन के लिए जा रहे थे।

तुषार पुरोहित का कहना है कि रोकने के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया। उन्होंने बताया कि स्थिति की जानकारी लेने और कारण जानने के लिए उन्होंने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक (एसपी), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी), उप पुलिस अधीक्षक (डीवाईएसपी) सहित अन्य अधिकारियों से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कथित रूप से किसी अधिकारी ने उनका कॉल रिसीव नहीं किया।

#### जनहित के मुद्दों को उठाने के कारण कार्रवाई का

पत्रकार का आरोप है कि मुख्यमंत्री के दौरे से पूर्व उन्होंने माउंट आबू क्षेत्र के सीतावन में निवासरत आदिवासी परिवारों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने बिजली, पानी, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं से वंचित परिवारों की स्थिति पर रिपोर्ट प्रकाशित कर सरकार और प्रशासन से सवाल किए थे। उनका दावा है कि इसी कारण उन्हें कवरेज से रोका गया। हालांकि प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में रोकने के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

#### प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर उठे सवाल

घटना के बाद पत्रकारिता जगत और सामाजिक क्षेत्र में कई सवाल चर्चा का विषय बने हुए हैं। प्रमुख प्रश्न यह है कि यदि किसी पत्रकार को किसी सरकारी कार्यक्रम की कवरेज से रोका जाता है तो उसके पीछे क्या प्रशासनिक या सुरक्षा कारण थे, और क्या संबंधित व्यक्ति को इसकी जानकारी देना आवश्यक नहीं था?

#### प्रशासनिक चुप्पी पर भी प्रश्न

**घटना** का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पत्रकार द्वारा संपर्क किए जाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं मिलने का आरोप लगाया गया है। इससे मामले को लेकर और अधिक जिज्ञासा तथा संदेह उत्पन्न हुआ है। पत्रकार तुषार पुरोहित ने कहा कि यदि किसी प्रकार की सुरक्षा या प्रशासनिक व्यवस्था के कारण उन्हें रोका गया था तो इसकी लिखित अथवा मौखिक जानकारी दी जानी चाहिए थी। उनका कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मीडिया की भूमिका जनहित के मुद्दों को सामने लाने और सत्ता से जवाबदेही सुनिश्चित करने की होती है। फिलहाल इस पूरे मामले में प्रशासन का पक्ष सामने आना बाकी है। प्रशासनिक प्रतिक्रिया के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि पत्रकार को रोके जाने के पीछे वास्तविक परिस्थितियां क्या थीं।

# योगमय हुआ जोधपुर, आयुर्वेद विश्वविद्यालय ने 5000 से अधिक लोगों ने किया योगाभ्यास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जोधपुर।** डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विवि, जोधपुर में कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की गरिमामयी उपस्थिति में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। विवि द्वारा जोधपुर शहर एवं विभिन्न संस्थानों में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रमों में 5000 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता कर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी एवं यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नैचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज के प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा द्वारा किया गया।

# 12वीं बाद कॉमर्स-सिर्फ अकाउंट्स नहीं, करियर के सैकड़ों रास्ते-डॉ. पार्वती

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**आबूरोड।** 12वीं के परिणाम घोषित होने के बाद करियर का चुनाव अक्सर विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए चिंता और तनाव का विषय बन जाता है। कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर आज भी कई लोगों में यह धारणा है कि यह केवल अकाउंट्स या लेखांकन तक सीमित है, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक और संभावनाओं से भरपूर है। आज कॉमर्स शिक्षा बैंकिंग, वित्त, बीमा, कराधान, निवेश, अर्थशास्त्र, ई-कॉमर्स, डिजिटल मार्केटिंग, मानव संसाधन प्रबंधन और उद्यमिता जैसे अनेक क्षेत्रों का मजबूत आधार बन चुकी है। वैश्वीकरण और डिजिटल अर्थव्यवस्था के इस दौर में कॉमर्स का महत्व निरंतर बढ़ रहा है।

#### पारंपरिक और आधुनिक करियर विकल्प

कॉमर्स स्ट्रीम के विद्यार्थियों के लिए पारंपरिक क्षेत्रों में चार्टर्ड अकाउंटेंसी (CA), कंपनी सेक्रेटरी (CS), कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी (CMA), बैंकिंग तथा विभिन्न सरकारी सेवाएँ प्रमुख करियर विकल्प हैं। वहीं, आधुनिक युग में डेटा एनालिटिक्स, फिनटेक, ई-कॉमर्स मैनेजमेंट, डिजिटल बैंकिंग, बिजनेस एनालिसिस और स्टार्टअप प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भी अपार संभावनाएँ विकसित हुई हैं। कौशल और व्यावहारिक शिक्षा के केंद्र में माधव यूनिवर्सिटी (UGC द्वारा मान्यता प्राप्त, वर्ष 2014 में स्थापित तथा NAAC ÒAÓ ग्रेड से मान्यता प्राप्त) अपने वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के माध्यम से 12वीं के बाद कॉमर्स के विद्यार्थियों को व्यावहारिक एवं कौशल-आधारित शिक्षा प्रदान कर रही है। विश्वविद्यालय में बी.कॉम., बीबीए तथा अन्य प्रबंधन पाठ्यक्रमों के साथ इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट कार्य और अंतर्विषयक (Interdisciplinary) अध्ययन पर विशेष जोर दिया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट और स्टार्टअप जगत से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है। राष्ट्रीय राजमार्ग-27 (NH-27) पर स्थित विश्वविद्यालय का हरित एवं आधुनिक परिसर विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण, आधुनिक प्रयोगशालाएँ और उद्योग-अनुकूल कार्यक्रम उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय ने अपने समस्त शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए लगभग 80 करोड़ रुपये का समूह बीमा भी कराया है, जो संस्थान की सामाजिक उत्तरदायित्व और कर्मचारी सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

#### तकनीक-आधारित व्यापारिक वातावरण

वर्तमान व्यापारिक परिवेश तकनीक-आधारित हो चुका है। डिजिटल भुगतान प्रणालियों, ऑनलाइन व्यापार प्लेटफॉर्म और स्टार्टअप संस्कृति ने कॉमर्स के विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। आज विद्यार्थी केवल नौकरी प्राप्त करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्वयं उद्यम स्थापित कर रोजगार सृजनकर्ता बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

#### प्रबंधन शिक्षा का महत्व

कॉमर्स शिक्षा का एक महत्वपूर्ण आयाम प्रबंधन (Management) है, जो विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की दक्षता, संगठनात्मक कौशल और व्यावसायिक समझ विकसित करता है। बी.कॉम., बीबीए और अन्य प्रबंधन पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट जगत तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सफल करियर बनाने के लिए तैयार करते हैं।

### पंचायतीराज राज्यमंत्री ने मनादर शिविर में योजनाओं की दी जानकारी

# पात्र व्यक्तियों को दस्तावेज वितरित किए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**सिरोही।** पंचायतीराज राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने ग्रामीण सेवा शिविरों के तहत सिरोही जिले के मनादर में आयोजित शिविर में आमजन से संवाद किया तथा विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं एवं ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों की जानकारी प्राप्त कर की। इन शिविरों में आम जन की समस्याओं के समाधान के साथ विभिन्न योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है, उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र को लाभान्वित करें साथ ही योजनाओं का वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार करें। राज्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र विकास एवं आमजन को प्रशासनिक सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। ऐसे शिविर सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति त पहुंचाने का महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

# कोटा से जोधपुर, उदयपुर, दिल्ली और अहमदाबाद के लिए दौड़ेंगी एसी बसें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**कोटा।** यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए राजस्थान रोडवेज ने कोटा से प्रमुख शहरों के लिए नई वातानुकूलित (एसी) बस सेवाएं शुरू करने की तैयारी तेज कर दी है। इसके लिए रोडवेज प्रशासन ने टेंडर जारी कर दिए हैं। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही रोडवेज के बेड़े में नई एसी और स्लीपर बसें शामिल की जाएंगी। इन बसों के संचालन से यात्रियों को अधिक आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा। जानकारी के अनुसार, रोडवेज की ओर से कोटा से दिल्ली, जोधपुर, उदयपुर और अहमदाबाद मार्गों पर नई वातानुकूलित बसों का संचालन प्रस्तावित है। वर्तमान में इन मार्गों पर यात्रा करने वाले यात्रियों को निजी बसों पर अधिक निर्भर रहना पड़ता है। नई एसी बसों के संचालन से रोडवेज सेवाएं मजबूत होंगी तथा यात्रियों को सुरक्षित और किफायती यात्रा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

#### यात्रियों को बड़ी राहत

**रोडवेज** अधिकारियों के अनुसार, बढ़ती यात्री संख्या और लगातार मिल रही मांग को देखते हुए इन मार्गों का चयन किया गया है। विशेष रूप से दिल्ली और अहमदाबाद जैसे लंबी दूरी के रूटों पर वातानुकूलित और स्लीपर बसों की मांग काफी समय से बनी हुई थी। नई बसों के शामिल होने से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। रोडवेज के चीफ मैनेजर घनश्याम शर्मा ने बताया कि टेंडर जारी होने के बाद बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा अनुबंध प्रक्रिया पूरी करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से नई बसों का संचालन शुरू किया जाएगा।

### श्री शेषावतार कल्लाजी वेदपीठ के 21वें कल्याण महाकुंभ का जनजागरण

# आध्यात्मिक कल्याण महापदयात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**चित्तौड़गढ़।** मेवाड़ के प्रसिद्ध श्री शेषावतार कल्लाजी वेदपीठ के 21वें कल्याण महाकुंभ के जनजागरण के लिए ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी रविवार को निकाली गई आध्यात्मिक कल्याण महापदयात्रा में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। वेदपीठ के प्रवक्ता ने बताया कि कल्याणनगर वासियों सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र एवं दूर-दराज के कल्याण भक्तों के पदयात्रा में शामिल होने से पूरे मार्ग में भक्तों का रैला दिखाई दिया। सभी श्रद्धालुओं को प्रातः 4 बजे ठाकुर जी के दर्शन करवाकर पदयात्रा में भागीदारी का आग्रह किया गया, लेकिन कई श्रद्धालु मध्यरात्रि में ही रवाना होकर सूर्योदय के साथ शक्ति और भक्ति की नगरी में पहुंच गए। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का रैला 9 बजे तक नेहरू उद्यान पहुंचा, जहां सभी को अल्पाहार कराने के बाद बैंड-बाजों और मालवी ढोल के साथ शोभायात्रा निकाली गई। नेहरू उद्यान के समीप कई जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, पेंशनर समाज, वरिष्ठ नागरिक मंच सहित धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा जन-जन के आराध्य ठाकुर श्री कल्लाजी के रथ की पूजा-अर्चना कर सर्वत्र अच्छी वर्षा और खुशहाली की कामना की। यह शोभायात्रा बैंड-बाजों की मधुर धुन और मालवी ढोल की थाप पर नाचते-गाते, ठाकुर जी के जयकारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट चौराहा, रोडवेज बस स्टैंड, सुभाष चौक, गोल प्याऊ, सदर बाजार, गांधी चौक, मिठाई बाजार, लक्ष्मीनाथ मंदिर होते हुए पाण्डव पोल पहुंची।

#### दुर्गराज का चरण पूजन

**वेदपीठ** की परम्परानुसार पदयात्रियों एवं श्रद्धालुओं द्वारा दुर्गराज की चरण पूजा में बड़ी संख्या में भक्तों ने पूजा-अर्चना के साथ मेवाड़ के वीर-वीरांगनाओं को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान दुर्ग की चरण पूजा वेदपीठ के आचार्यों, बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ करवाई गई। सभी पदयात्री द्वितीय दरवाजे के बाद स्थित ठाकुर श्री कल्लाजी और जयमल जी की छतरी पर लोक देवताओं की ओर से श्रद्धालुओं द्वारा कल्याण रथ की पूजा की गई। वहीं ठाकुर जी के रथ की ओर से जयमल-कल्लाजी की पूजा-अर्चना कर सर्वत्र खुशहाली की कामना की गई। सभी पदयात्री दर्शन कर स्काउट गाइड मुख्यालय पहुंचे, जहां से भोजन के उपरान्त सभी पदयात्रियों को बस द्वारा कल्याण नगरी के लिए रवाना किया गया।

## घर मंगवाये जागरूक जनता

**सदस्यता फार्म** दिनांक .....

**जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।**

**सदस्यता राशि**

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

## पहाड़, मैदान से समंदर तक

# योगमय भारत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को भारत ने एक बार फिर अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और स्वस्थ जीवनशैली की ताकत का परिचय कराया। देश में कश्मीर की वादियों से लेकर कन्याकुमारी के समुद्री तटों तक और मैदान से लेकर लद्दाख की ऊंची चोटियों तक लाखों ने लोगों ने उत्साह के साथ योग किया।

Photos PTI/AFP

32 Legacy of Excellence Since 1994
IIMT UNIVERSITY MEERUT
Transforming Education System, Transforming Lives
UGC Approved Section 2(f) & 12B
NAAC Accredited with A GRADE

BEFORE CHOOSING A UNIVERSITY, LOOK AT WHAT ITS STUDENTS BECAME.

JOYDEEP — Technical Consultant, EPLAN ANZ, Australia — MBA 1995-97
JYOTI PATEL — Physiotherapist, NMC Royal Hospital, Sharjah — BPT 2015-19
NITISH SHUKLA — High Court Lucknow — B.Tech 2008-12
POOJA SINGH — Senior Implementation Specialist, Ctebs, Kochi, Irbid, Jordan — B.Tech 2009-13
ROHIETASH PAL — Sales Consultant, Telstra (Telecommunications), Australia — MBA 2001-03
ANAS TYAGI — Assistant Team Leader, Century Bank Brokers LLC — MBA 2010-12
SAKSHI SEHGAL — Compliance and Ethics Officer, Asia Pacific, Koch Industries, Bangkore and Singapore — MBA 2005-07
AZEEM ASHRAF — Falah Al Salam Technical Services LLC, MD, Dubai — M.Tech 2023-25
CHINMAYA GIRI — Sales Associate, Aparrel group, UAE — BJMC 2021-24
YASHWANT — Bhawan International Group Holding (BIGH), Asst. Manager, UAE — PGDM 2006-08
ROHIT KUMAR — Senior Manager, Data & AI, Accentura, Greater Stockholm Metropolitan Area — B.Tech 2003-07
ARSALAN AHMAD — Business Development Manager, Bianca and Bianco, Dubai — BBA 2016-19
VARUN CHAUHAN — Information Manager, InMorphis Services LLF-FZ, Dubai — BCA 2013-16
WASIM AKHTAR — Co- Founder, Global Hanzala, Dubai — M.Pharm 2022-24
FARIYAL ZABI — Physiotherapist Tahil Shamil Rehablitation Centre, Saudi Arabia — MPT 2022-24

These aren't just Alumni.
They are the outcome of the Right Choice.

#1 India's Innovation University
Creating Job Providers, Not just Job Seekers.
#1 RANKED UNIVERSITY IN INDIA WURI 2026
World University Ranking for Innovation
GLOBAL RANK 4 WURI 2026
STATE RANK #1 IIRF 2026
IIMT University is Diamond Rated
Recognized for Excellence!
QS I-GAUGE
Titanium+ Band ESER 2026 | India Academia Rankings 2026 | Research Excellence Ranking 2026

Why IIMTU?
Avail upto 100% Scholarship*
90%+ Placement Record
Build a Career That the Future Needs
Get IIT-Aligned Degree
AI Enabled Labs & AC Classrooms
Students from 29 States & 11 Countries
Sports Scholarship for Athletes
Globally Recognized Startup Ecosystem

Industry-Integrated Learning Ecosystem
IIT Kanpur | IIT Roorkee | intel | Google | GitHub | ISRO | aws educate | Tech Mahindra | Microsoft | IBM SkillsBuild | Red Hat Academy
and many more

"Industry-Aligned Learning for the Next Generation of Professionals."

Because every Dream Deserves a Chance
₹150Cr.+ Scholarships for Meritorious Students.

Regular UG, PG, Diploma & Ph.D. Programs Offered
UGC-Approved ODL Programs
New Future Ready Courses Introduced in 2026
MBA DS&AI — Data Science & Artificial Intelligence
MBA FinTech — Financial Technology
MBA DA&AI — Data Analytics & Artificial Intelligence
B.Com FinTech — Financial Technology

Explore also our new IIMT University Greater Noida Campus
for Admissions 2026-27 9760150709

"O" Pocket, Ganga Nagar, Mawana Road, Meerut
9897474598, 8392910069
www.iimtu.edu.in Email: mail@iimtu.edu.in
Campus Tour

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा

### अतिरिक्त जिला कलक्टर राजीव द्विवेदी ने की सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा

# फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक बैठे व्यक्ति तक पहुँचाना हमारा दायित्व-द्विवेदी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान सरकार के 15 विभागों की 25 फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम राजीव द्विवेदी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में की। उन्होंने कहा कि सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक बैठे व्यक्ति तक पहुँचाना हमारा दायित्व है। उन्होंने जिला रसद अधिकारी प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण को निर्देशित किया कि वे पात्र नवीन परिवारों को एनएफएसए से लाभान्वित करने हेतु ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों में उपखण्ड अधिकारी व विकास अधिकारी कार्यालयों में लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने लाडो प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आने वाले प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में मिले 125 लक्ष्य के विरूद्ध 776 जल संरचनाओं का निर्माण करने पर प्रसन्नता व्यक्त करी। वहीं लखपति दीदी योजना में 95 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित करने पर उन्होंने विभागीय अधिकारी को शीघ्र शत-प्रतिशत लक्ष्य अर्जित करने के लिए कहा। वहीं उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता को अटल प्रगति पथ योजना के तहत आवंटित लक्ष्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लक्ष्य भी प्रदान किए हैं। उन्होंने इस दौरान अन्य सभी विभागीय अधिकारियों को ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों में उपस्थित रहकर उनके विभाग से संबंधित फ्लैगशिप योजनाओं में यथासंभव लंबित कार्य पूर्ण कराकर प्रगति लाने के निर्देश प्रदान किए हैं।

उन्होंने इस दौरान कुसुम योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं शहरी, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी व ग्रामीण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सहित अन्य फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक प्रगति लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय देवयानी, सीपीओ डॉ. सुदीप कुमावत सहित संबंधित जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

# सन होटल एंड रिजॉर्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिविर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**आबूरोड।** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर सन होटल एंड रिजॉर्ट, आबूरोड द्वारा भव्य योग शिविर एवं सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समूह कंपनी सन आयुर्वेदा एंड नेचुरोपैथी द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य एवं परामर्श शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित नागरिकों को आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। सन होटल एंड रिजॉर्ट विगत बारह वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन निरंतर कर रहा है तथा भारत सरकार की जनकल्याणकारी एवं स्वास्थ्य जागरूकता पहलों के साथ कदम से कदम मिलाकर समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य कर रहा है। संस्थान का मानना है कि योग, स्वास्थ्य और स्वदेशी के माध्यम से ही सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है। प्रातः 6:15 बजे आगंतुकों के स्वागत एवं बैठक व्यवस्था के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात संगीता जी एवं उनकी टीम का मंच पर आगमन हुआ तथा माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के उद्घाटन संबोधन का सीधा प्रसारण सभी उपस्थितजनों ने सामूहिक रूप से देखा। कार्यक्रम के दौरान संगीता अग्रवाल, डॉ. मनीषा एवं डॉ. निर्मल द्वारा विशेष योग प्रस्तुति दी गई तथा योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी प्रदान की गई। योग सत्र में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया।

इस अवसर पर अजय पुंज जी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए योग को दैनिक जीवन में अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मगनदान चरण, निर्वतमान नगरपालिका अध्यक्ष आबूरोड रहे। मुख्य अतिथि का पारंपरिक पगड़ी एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया तथा संगीता अग्रवाल का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में नर्गिस (नगर अध्यक्ष, कांग्रेस), मनीष सिंहल (मंडल अध्यक्ष, भाजपा आबूरोड), हंसराज चौधरी, रमन बंसल, बलवीर सिंह कछवाहा, नरपत सिंह, भगवान अग्रवाल, प्रहलाद चौधरी, सुरेश सिंदल, विजय गोटवाल, पोपट लाल अग्रवाल, नरेश अग्रवाल एवं रितेश सिंह चौहान सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि सन होटल एंड रिजॉर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के "वोकल फॉर लोकल" एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान की भावना को आगे बढ़ाते हुए "स्वदेशी अपनाओ, देश को समृद्ध बनाओ" नामक जनजागरण अभियान भी संचालित कर रहा है। इस अभियान के अंतर्गत होटल में आने वाले अतिथियों से स्वदेशी उत्पादों के उपयोग एवं स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने हेतु संकल्प पत्र भी भरवाए जाते हैं, जिससे देशी उद्योगों को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में जनसहभागिता सुनिश्चित हो सके।

मुख्य अतिथि मगनदान चरण ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है तथा इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर स्वस्थ एवं निरोग समाज का निर्माण किया जा सकता है।

# शहरी सेवा शिविरों में मिला समस्याओं का समाधान, वार्ड में पहुंचीं प्रशासनिक सेवाएं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**बालोतरा।** राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने तथा नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के सभी नगर निकाय क्षेत्रों में मंगलवार को शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया गया। वार्ड स्तर पर आयोजित इन शिविरों में नागरिकों को विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई, जिससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली।

शहरी सेवा शिविरों के तहत नगर पालिका गुड़ामालानी के वार्ड संख्या 7 एवं 8, धोरीमन्ना के वार्ड संख्या 7, सिणधरी के वार्ड संख्या 7, सिवाना के वार्ड संख्या 9, समदड़ी के वार्ड संख्या 9, जसोल के वार्ड संख्या 7 तथा नगर परिषद बालोतरा के वार्ड संख्या 17 एवं 18 में शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं तथा विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

शिविरों में नगर निकाय, राजस्व, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जलदाय, विद्युत तथा अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विभागीय अधिकारियों ने आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं और अनेक मामलों का मौके पर ही समाधान किया।

शिविरों के दौरान नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया भी संपादित की गई। इसके साथ ही आवेदन पत्र भरने में सहायता, दस्तावेजों में आवश्यक संशोधन, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित सेवाएं तथा अन्य प्रमाण-पत्रों के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। इसके साथ ही लाभार्थियों को पट्टे का वितरण किया गया। नगर निकायों से जुड़ी समस्याओं जैसे सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, पट्टा, कर संबंधी मामलों एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित शिकायतों का भी पंजीकरण कर त्वरित निस्तारण की कार्रवाई की गई। कई मामलों में मौके पर ही समाधान प्रदान किया गया, जबकि शेष प्रकरणों को निर्धारित समय सीमा में निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। शिविरों में आमजन को राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं लाभों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने नागरिकों को डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन प्रक्रियाओं के संबंध में भी जागरूक किया, जिससे वे भविष्य में आसानी से सरकारी सेवाओं का लाभ उठा सकें।

# ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन को मिली राहत, गांव-गांव पहुंच रही सरकारी योजनाएं और समाधान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**बालोतरा।** राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलेभर में शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। मंगलवार को भी जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए गए, जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर आमजन की समस्याएं सुनेंगे और उनका मौके पर ही निस्तारण करेंगे। ग्रामीण सेवा शिविरों के तहत बुडावाडा, आकडली बक्शीराम, अराबा चौहान, थोब, कालेवा, केसरपुरा, शहर, जाखड़ा, बाण्डानाडा, लोहिड़ी, पादरली कला, कादानाड़ी, कांखी, रामपुरा, रतनपुरा तथा कुम्हारों का बेरा ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए।

इन शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। शिविरों में राजस्व, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज, कृषि, पशुपालन, विद्युत, जलदाय, शिक्षा तथा अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए अनेक मामलों का मौके पर ही समाधान किया, जबकि शेष प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की गई।

# राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बालोतरा में आज लगेगा कैंपस प्लेसमेंट शिविर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

**बालोतरा।** रोजगार कार्यालय बालोतरा एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बालोतरा के संयुक्त तत्वावधान में बेरोजगार युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 24 जून 2026 को एक दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट शिविर का आयोजन किया जाएगा। सहायक निदेशक ने बताया कि शिविर का आयोजन आईटीआई बालोतरा परिसर में किया जाएगा। शिविर में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं के साक्षात्कार लिए जाएंगे तथा पात्र अभ्यर्थियों को रोजगारउपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी शिविर में भाग लेकर रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। शिविर के माध्यम से स्थानीय युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने का बेहतर मंच उपलब्ध होगा। शिविर में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को आने-जाने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। रोजगार कार्यालय एवं आईटीआई प्रशासन ने अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं से शिविर में भाग लेकर रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने की अपील की है।

# छोटे शहरों का उभरता भारतः विकास की नई धुरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

यतेन्द्र पाण्डेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

**कभी** भारत के विकास की कहानी दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे महानगरों के इर्द-गिर्द घूमती थी। रोजगार, निवेश, शिक्षा और आधुनिक सुविधाओं का केंद्र यही शहर माने जाते थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक नया भारत आकार ले रहा है– वह भारत जो छोटे शहरों, कस्बों और टियर-2 तथा टियर-3 नगरों में बसता है। आज देश की आर्थिक गतिविधियों का एक बड़ा हिस्सा महानगरों से निकलकर छोटे शहरों की ओर बढ़ रहा है। यह केवल जनसंख्या का विस्तार नहीं है, बल्कि अवसरों का विकेंद्रीकरण है। जिन शहरों को कभी केवल जिला मुख्यालय के रूप में जाना जाता था, वे आज उद्योग, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप और उपभोक्ता बाजार के नए केंद्र बन रहे हैं। इस बदलाव के पीछे कई कारण हैं। एक ओर महानगरों में बढ़ती भीड़, महंगी आवास व्यवस्था और यातायात की समस्याएं हैं, तो दूसरी ओर छोटे शहरों में बेहतर सड़कें, इंटरनेट कनेक्टिविटी, हवाई अड्डों का विस्तार और सरकारी निवेश नई संभावनाएं पैदा कर रहे हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार टियर-2 और टियर-3 शहरों में रोजगार और उपभोक्ता खर्च की वृद्धि कई महानगरों की तुलना में तेज़ देखी जा रही है। डिजिटल क्रांति ने इस परिवर्तन को और गति दी है। आज एक युवा उद्यमी को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए दिल्ली या मुंबई जाने की आवश्यकता नहीं है। वह अपने ही शहर से ऑनलाइन कारोबार चला सकता है, देशभर में ग्राहकों तक पहुंच सकता है और डिजिटल भुगतान के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी कर सकता है। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने अवसरों को भौगोलिक सीमाओं से मुक्त कर दिया है। छोटे शहरों के बढ़ते महत्व का एक और संकेत उपभोक्ता बाजार में दिखाई देता है। हाल की रिपोर्टें बताती हैं कि टियर-3 से टियर-5 शहरों में खुदरा खर्च की वृद्धि महानगरों से आगे निकल रही है। यह केवल आर्थिक समृद्धि का संकेत नहीं, बल्कि बदलती आकांक्षाओं का भी प्रमाण है।

रोजगार के क्षेत्र में भी परिवर्तन स्पष्ट है। बैंकिंग, बीमा, विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्र अब छोटे शहरों में अपने कार्यालय और केंद्र स्थापित कर रहे हैं। इससे स्थानीय युवाओं को अपने गृह क्षेत्र में ही बेहतर अवसर मिल रहे हैं। हालांकि यह तस्वीर पूरी तरह उजली नहीं है। छोटे शहरों को अभी भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं, उच्च शिक्षा संस्थानों, सार्वजनिक परिवहन और पर्यावरणीय संतुलन जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि विकास योजनाबद्ध नहीं हुआ तो वही समस्याएं, जो आज महानगरों को परेशान कर रही हैं, कल छोटे शहरों की पहचान बन सकती हैं। भारत के विकास का अगला अध्याय शायद महानगरों में नहीं, बल्कि उन शहरों में लिखा जाएगा जिन्हें लंबे समय तक 'छोटा' कहकर नजरअंदाज किया गया। आज का उभरता भारत यह संकेत दे रहा है कि विकास का भविष्य केंद्रीकरण में नहीं, बल्कि संतुलित और समावेशी विस्तार में है। वास्तव में, छोटे शहर अब भारत के विकास की परिधि नहीं, बल्कि उसकी नई धुरी बनते जा रहे हैं।

# खाटूश्यामजी ज्योतिष वास्तु सम्मेलन कल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**भुसावर।** खाटू बाबा के धाम में ट्री ग्रुप, जेपी एस्ट्रो सोसायटी द्वारा गुरूवार 25 जून को निःशुल्क ज्योतिष वास्तु सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। ज्योतिष बाबा कृष्णा भारद्वाज के अनुसार श्याम बाबा की असीम कृपा से 25 जून गुरुवार निर्जला एकादशी के अवसर पर बाबा की नगरी में खाटू श्याम ज्योतिष वास्तु सम्मेलन का आयोजन सुखधाम भवन मेन रिंगस रोड बीपी पेट्रोल पंप के सामने प्रवेश द्वार से पूर्व प्रातः 9 बजे से आयोजित किया जा रहा है जिसके मुख्य अतिथि वरिष्ठ ज्योतिष आचार्य पंडित अम्बा प्रसाद वशिष्ठ दिल्ली होंगे, सम्मेलन में प्रदेश एवं देश के विभिन्न प्रान्तों से ज्योत्साचार्य शिविर में पहुंचने वाले व्यक्तियों को लाभान्वित करेंगे।

# 28 जून को होगी वनपाल सीधी भर्ती परीक्षा-2026

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित वनपाल सीधी भर्ती परीक्षा-2026 के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर संदेश नायक के निर्देशानुसार जिला कलक्ट्रेट परिसर में जिला स्तरीय परीक्षा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। जिला कलक्टर के आदेशानुसार परीक्षा को सफलतापूर्वक एवं निर्बाध रूप से संपन्न कराने हेतु नियंत्रण कक्ष 26 एवं 27 जून को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक तथा 28 जून को प्रातः 9 बजे से परीक्षा समाप्ति एवं संबंधित समस्त कार्य पूर्ण होने तक संचालित रहेगा। परीक्षा व्यवस्था के प्रभावी समन्वय एवं निगरानी के लिए नियंत्रण कक्ष में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। नियुक्त कार्मिक परीक्षा आयोजन से संबंधित समस्त गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए समन्वयक एवं परीक्षा आयोजन अधिकारियों के निर्देशानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। अभ्यर्थी परीक्षा की किसी भी जानकारी व समस्या के लिए जिला स्तरीय परीक्षा नियंत्रण कक्ष के नंबर 0141-2206699 पर संपर्क करने की अपील की है। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

**26 से 28 जून तक जिला स्तरीय परीक्षा नियंत्रण कक्ष रहेगा संचालित**